राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 05 अप्रैल 2022 वर्ष-4,अंक-69 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर ममता का केंद्र पर निशाना, बोलीं- सीबीआई-ईडी का इस्तेमाल की बजाय पीएम बुलाएं सर्वदलीय बैठक

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मौजूदा आर्थिक समस्याओं के समाधान के उपाय तलाशने के लिए केंद्र से एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग भी की। ममता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने गैर-भाजपा शासित राज्यों में भगवा दल द्वारा किए जा रहे 'अत्याचारों से ध्यान भटकाने के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि की है। राज्य सचिवालय में बातचीत में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, ईंधन की कीमतों में वृद्धि से निपटने के लिए केंद्र के पास कोई योजना नहीं है। इस संकट के लिए भाजपा जिम्मेदार है। यह उत्तर प्रदेश चुनाव में जीत के बाद देश के लिए उसका रिटर्न गिफ्ट है। ममता ने कहा, विरोधी दलों के खिलाफ सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करने के बजाय केंद्र को मौजूदा आर्थिक समस्याओं का हल तलाशने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किए गए मंत्री नवाब मलिक को अभी और कुछ दिन खानी होगी जेल की रोटी!

नेशनल डेस्क। मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किए गए महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। रमज़ान के महीनें में भी नवाब मलिक को राहत नहीं मिली। पीएमएलए की विशेष अदालत ने सोमवार को नवाब मलिक की न्यायिक हिरासत को 18 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। बता दें कि 62 वर्षीय मलिक को 23 फरवरी को प्रवर्तन निदेशालय ने दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था जिसके बाद से वह अभी तक बाहर नहीं आए हैं। उन्हें श्वष्ठ ने एक दागी भूमि सौदे से उत्पन्न एक कथित धन शोधन मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। हालांकि इससे पहले नवाब मलिक के वकील मे एक याचिका दायर की थी किजिसमें उनके पीठ दर्द का हवाला देते हुए उन्हें जेल में बेड, गद्दा और कुर्सी मिले जिसे पीएमएलए की विशेष अदालत ने स्वीकार कर लिया था और उन्हें यह सब चीजे प्रदान की गई थी। जिसमें उनके पीठ दर्द का हवाला देते हुए उन्हें जेल में बेड, गद्दा और कुर्सी मिले जिसे पीएमएलए की विशेष अदालत ने स्वीकार कर लिया था और उन्हें यह सब चीजे प्रदान की गई थी। उन्होंने घर से खाना मंगवाकर खाने की भी इजाजत मांगी थी जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया था। वहीं नवाब मलिक ने बॉम्बे हाईकोर्ट के याचिका खारिज के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

पड़ोसी देशों में राजनीतिक उथल-पुथल पर भारत की नजर

मोदी ने विदेश मंत्री के साथ की अहम बैठक

नेशनल डेस्क।

पड़ोसी देशों श्रीलंका और पाकिस्तान में हाल ही के घटनाक्रम पर भारत सरकार की भी नजर है। श्रीलंका और पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल और मौजूदा हालातों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश मंत्रालय की अहम बैठक बुलाई है। मिली जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक कर दोनों देशों के मौजूदा हालत के बारे में जानकारी ली। बता दें कि श्रीलंका में इन दिनों आर्थिक संकट गहराया हुआ है। श्रीलंका में आपातकाल की घोषणा की गई है जिसका लोग विरोध कर रहे हैं। इसी बीच श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर अजित निवार्ड कैब्राल ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सात महीने से भी कम समय पहले यह पद संभालने वाले 67 वर्षीय कैब्राल ने एक ट्वीट कर अपने इस्तीफे की घोषणा की। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में इमरान खान की कुर्सी संकट में है।

हमारा हाल भी श्रीलंका जैसा न हो जाए फ्री बांटने वाली स्कीमों पर पीएम मोदी से बोले अफसर

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ बैठक में कुछ अधिकारियों ने कई राज्यों की ओर से घोषित लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता जताई। अधिकारियों ने दावा किया कि वे आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं हैं और वे उन्हें श्रीलंका के रास्ते पर ले जा सकती हैं। मोदी ने शनिवार को 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने शिविर कार्यालय में सभी विभागों के सचिवों के साथ चार घंटे की लंबी बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा और कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के अलावा केंद्र सरकार के अन्य शीर्ष नौकरशाह भी शामिल हुए। सूत्रों ने कहा कि बैठक के दौरान, मोदी ने नौकरशाहों से स्पष्ट रूप से कहा कि वे कमियों के प्रबंधन की मानसिकता से बाहर निकलकर अधिशेष के प्रबंधन की नई चुनौती का सामना करें। सूत्रों ने कहा कि मोदी ने प्रमुख विकास परियोजनाओं को नहीं लेने के बहाने के तौर पर गरीबी का हवाला देने की पुरानी कहानी को छोड़ने और उनसे एक बड़ा दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा। कोविड-19 महामारी के दौरान सचिवों ने जिस तरह से साथ मिलकर एक टीम की तरह काम किया, उसका उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि उन्हें भारत सरकार के सचिवों के रूप में कार्य करना चाहिए।

शाह ने विपक्ष पर ली चुटकी, बोले- मुझे गुस्सा नहीं आता, मेरी आवाज ऊंची, ये मैन्युफैरिंग डिफेक्ट

नई दिल्ली।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष पर चुटकी लेते हुए कहा कि उनको गुस्सा नहीं आता, वो गुस्सा नहीं करते। शाह ने तृणमूल कांग्रेस की ओर से की गई एक टिप्पणी के जवाब में हल्के -फुल्के अंदाज़ में कहा कि उनकी आवाज़ ज़रा ऊंची है जो उनका'मैन्युफैक्करिंग डिफेक्ट है। लेकिन कश्मीर के मुद्दों के अलावा उन्हें कभी गुस्सा नहीं आता। इससे पहले अमित शाह ने लोकसभा में कहा है कि किसी अपराध में दोष सिद्धि का प्रमाण जब तक मजबूत नहीं होता है, तब तक देश में कानून- व्यवस्था और देश की आंतरिक सुरक्षा को बहाल और मजबूत करना संभव ही नहीं है। शाह ने लोकसभा में दण्ड प्रक्रिया (शिनाख्त) विधेयक 2022 को विचार और पारित करने के लिए रखते हुए कहा कि बंदी शिनाख्त अधिनियम 1920 को निरस्त करके बदला गया यह विधेयक समय और विज्ञान की द्दष्टि से आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दोष सिद्ध करने के लिए अदालतों को जिस तरह के नतीजे चाहिए उन्हें उपलब्ध कराने और कानून को लागू करने वाली एजेंसियों की ताकत बढ़ाने में यह विधेयक आज के समय की ज़रूरत है। शाह ने कहा कि इस विधेयक से दोष सिद्ध करने के प्रमाण में बहुत बड़ा इजाफा होगा।

उन्होंने कि 1980 में विधि आयोग ने भी इस तरह का कानून बनाने का सुझाव भारत सरकार को भेजा था। जिस पर लंबे समय तक चर्चा होती रही। सत्ता में आने के बाद सरकार ने इस पर राज्य सरकारों से चर्चा की, अन्य संबंधित पक्षों से भी बात की और इसके बाद सभी पहलुओं और दुनिया के कई देशों में लागू कानूनों का अध्ययन करने के बाद यह कानून लाया गया है। गृह मंत्री ने सभी से इस विधेयक को अलग द्दष्टिकोण से देखने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे जांच एजेंसी को मदद मिलेगी, सजा देने की दर बढ़ेगी और इसके साथ ही आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने विधेयक का विरोध करने वाले सांसदों से कहा कि इसको समग्रता में देखने की जरूरत है, क्योंकि बदलाव समय की मांग है। उन्होंने कहा बदलाव समय की मांग है। उन्होंने कहा विपक्ष ने व्यक्ति की निजता और मानवाधिकार के मुद्दों को लेकर इस विधेयक पर प्रश्न चिह्न खड़े किए हैं लेकिन विपक्ष की चिंताओं की भी चिंता करते हुए सरकार कदम उठा रही है।

सरकार जेल के कैदियों के लिए एक आदर्श नियमावली विधेयक तैयार कर रही है जिसे राज्य सरकारों को भेजा जाएगा , जिससे कई तरह की चिंताएं दूर हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह 28 मार्च को शाह की तरफ से गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने लोक सभा मे दण्ड प्रक्रिया (पहचान) विधेयक 2022 को पेश किया था। उस समय भी विरोधी दलों ने इसका तीखा विरोध किया था और उनकी मांग पर सदन में मत विभाजन भी करवाना पड़ा था।

दिल्लीः राज्यसभा में 6 नए राज्यसभा सांसदों ने ली शपथ

नई दिल्ली। राज्यसभा में आज 6 नए राज्यसभा सांसदों ने शपथ ली इनमें से असम, केरल और नगालैंड से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित 6 सदस्य शामिल थे। सभी ने सोमवार को उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। सुबह उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही तीनों राज्यों के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण वालों में असम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पवित्र मार्गरिटा, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के रवंगवरा नारजारी, केरल से कांग्रेस की जेबी माथेर हीशम, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के ए ए रहीम शामिल थे। इनके अलावा नगालैंड से भाजपा की एस फान्गनॉन कोन्यक ने भी उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ग्रहण की। नगालैंड से राज्यसभा पहुंचने वाली कोन्यक पहली महिला हैं। वह निर्विरोध चुनी गईं। इनके अलावा नगालैंड से भाजपा की एस फान्गनॉन कोन्यक ने भी उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ग्रहण की। नगालैंड से राज्यसभा पहुंचने वाली कोन्यक पहली महिला हैं। वह निर्विरोध चुनी गईं। असम में दो सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को जीत हासिल हुई थी जबकि केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) ने तीन में से दो सीटें जीती और कांग्रेस को शेष एक सीट मिली।

लखीमपुर हिंसाः आशीष मिश्रा की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने रखा फैसला सुरक्षित

नेशनल डेस्क। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे एवं लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहबाद उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया और सवाल किया कि न्यायाधीश कैसे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर विस्तार से गौर कर सकते है? प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने कहा, '' एक न्यायाधीश कैसे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर विस्तार से गौर कर सकते हैं? हम जमानत से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रहे हैं, हम इसे लटकाना नहीं चाहते। इसके गुण-दोष आदि पर बात करना जमानत के लिए अनावश्यक है। किसानों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे और प्रशांत भूषण ने जमानत रद्द करने की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि उच्च न्यायालय ने जांच रिपोर्ट की अनदेखी की और आरोपी को राहत देने के लिए केवल प्राथमिकी पर गौर किया। राज्य सरकार ने हालांकि अपराध को गंभीर करार दिया और कहा कि सभी गवाहों को सुरक्षा प्रदान की गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर शीर्ष अदालत ने 16 मार्च को उत्तर प्रदेश सरकार को अपना रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया था। उसने 10 मार्च को राज्य सरकार को गवाहों को सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्देश दिया था। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों के सदस्यों ने आशीष मिश्रा को जमानत देने के उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने 10 फरवरी को मिश्रा को मामले में जमानत दे दी थी।

राज्यसभा में सिमट रहा कांग्रेस का दायरा, 17 राज्यों से नहीं बचा कोई सदस्य

नेशनल डेस्क।

राज्यसभा में जहां पहली बार भाजपा सदस्यों की संख्या 100 पहुंच गई है, वहीं 33 सदस्यों तक सिमटने वाली कांग्रेस के पास 17 राज्यों में कोई प्रतिनिधित्व ही नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 31 मार्च को हुए द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव में जहां पहले ही राज्यसभा से चार सदस्यों की विदाई हो चुकी है तो वहीं जून और जुलाई में नौ अन्य सदस्य सेवानिवृत्त होंगे। आगामी चुनावों के बाद, इसकी संख्या घटकर 30 हो जाएगी, जो राज्यसभा में अब तक का सबसे निचला स्तर है। कांग्रेस को उम्मीद है कि झ्रस्च्य उसे खाली होने वाली छह सीटों में से एक देगी। उस मामले में इसकी संख्या 31 होगी। लेकिन पार्टी के पास उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, दिल्ली और गोवा से राज्यसभा का प्रतिनिधित्व नहीं होगा। पहली बार, पूर्वोत्तर के आठ राज्यों से भी कांग्रेस का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 2019 में राजस्थान जाने राज्यसभा जाने तक असम से सांसद रहे थे। आगामी चुनाव के बाद कांग्रेस के पास जो 30 या 31 राज्यसभा सदस्य होंगे वे अधिकतर पार्टी शासित राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ भाजपा शासित कर्नाटक से हैं। पार्टी में राजस्थान और कर्नाटक से 5-5, छत्तीसगढ़ से 4, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से 3-3 और पश्चिम बंगाल और हरियाणा से दो-दो सदस्य होंगे। एक-एक सदस्य बिहार, केरल और झारखंड से रहेंगे। लोकसभा में भी पार्टी की बिल्कुल यही स्थिति है। कांग्रेस का हरियाणा, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, सिक्किम और त्रिपुरा सहित राज्यों से कोई लोकसभा प्रतिनिधित्व नहीं है।

इसके कुल 53 लोकसभा सदस्यों में से 28 दक्षिण भारत से हैं। केरल से 15, तमिलनाडु से आठ, तेलंगाना से तीन और कर्नाटक और पुडुचेरी से एक-एक हैं। उत्तर भारत में, कांग्रेस के पास असम से तीन और छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल से दो-दो सांसद हैं।

आशीष मिश्रा की बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लखीमपुर खीरी मामले पर सुनवाई के दौरान केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की बेल पर फैसला सुरक्षित रख लिया। यूपी सरकार की ओर से पेश सीनियर वकील महेश जेठमलानी ने माना कि यह एक गंभीर अपराध है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आरोपी आशीष मिश्रा के भागने का जोखिम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए पूछा कि न्यायाधीश कैसे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर विस्तार से गौर कर सकता है? राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान यह भी आश्वासन दिया कि मामले के सभी गवाहों को उचित सुरक्षा प्रदान की गई है, जिसका दावा याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने किया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को आशीष की जमानत रद्द करने के मामले में एसआईटी की जांच की निगरानी कर रहे सेवानिवृत्त न्यायाधीश की दो रिपोर्ट पर 4 अप्रैल तक जवाब देने का निर्देश दिया था। पिछले साल तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में हिंसा के दौरान आठ लोग मारे गए थे। जब किसान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के इलाके के दौरे का विरोध कर रहे थे।

निर्यात को बढ़ाने के लिए भारतीय राजदूतों की अहम भूमिका, अमरीका के साथ 70 अरब डॉलर को होगा कारोबार

इंटरनेशनल डेस्क।

विदेशों में भारतीय दूतावास देश के निर्यात को बढ़ाने के लिए महत्व पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दूतावासों और भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने व्यापार विवादों को दूर करने, व्यापार सौदों पर बातचीत करने और निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मिलकर काम किया है। नतीजन भारत जिन पांच देशों को सबसे ज्यादा निर्यात कर रहा है उस सूची में अमरीका टॉप पर पहुंच गया है। शीर्ष पांच देशों में अमरीका के अलावा संयुक्त अरब अमीरात ,चीन, बांग्लादेश और नीदरलैंड शामिल हैं। कुल 400 अरब डॉलर के निर्यात बास्केट में से करीब 70 अरब डॉलर संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात किया जाएगा। वास्तव में वित्त वर्ष 2022 में संयुक्त राज्य अमेरिका को अब तक का सबसे अधिक निर्यात मात्रा होगा। पिछले साल व्यापार नीति मंच के बाद भारत और अमेरिका ने भारत से आम और अनार के निर्यात पर एक समझौता किया है।

अमेरिका के साथ भारत के व्यापार संबंधों के बारे में बात करते हुए भारतीय राजदूत तरणजीत संधू ने कहा कि परंपरागत क्षेत्रों जैसे परिधान, कीमती पत्थरों और समुद्री उत्पादों के अलावा अमेरिका में भारत के निर्यात में फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे और नए क्षेत्रों को शामिल करने के लिए विस्तार हुआ है। भारत निर्यात में ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। संधू बताते हैं कि प्रमुख अमरीकी सीईओ के साथ उनकी बातचीत हुई है और वे भारत से अपने संसाधन और निवेश बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। वह कहते हैं कि यह पीएम नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के अनुरूप है। संयुक्त राज्य में भारतीय दूतावास ने भारतीय निर्यातकों के 15,000 प्रश्नों का उत्तर दिया है और पिछले साल 100 निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किए।

अहमदाबाद से लखनऊ जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ । इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इंडिगो एयरलाइंस का विमान 6ई 7074 अहमदाबाद से नागपुर होते हुए लखनऊ जा रहा था। इस विमान ने सुबह 7 बजकर 15 मिनट पर अहमदाबाद से उड़ान भरी थी। इस विमान में 50 यात्री और 4 स्टाफ मेंबर सवार थे। पायलट को विमान में धुआं नजर आया, जिसके बाद सुबह 8 बजकर 33 मिनट पर नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि किसी यात्री को चोट लगने की खबर फिलहाल नहीं है। यात्रियों को सुरक्षित टर्मिनल में ले जाया गया है। विमान में जांच के लिए इंजीनियर टीम मौजूद है। यात्रियों को उनकी सुविधा अनुसार नागपुर, दिल्ली, या लखनऊ पहुंचाया जा रहा है। वहीं कुछ यात्रियों ने अपनी आगे की यात्रा भी स्थगित कर दी है। इससे पहले झारखंड के रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर शनिवार (2 अप्रैल) को इंडिगो के कोलकाता जाने वाले वाले विमान में उड़ान भरने के दौरान आई तकनीकी खामी की वजह से रद्द करना पड़ा था। रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद शर्मा ने बताया था कि इंडिगो की सुबह नौ बजकर पांच मिनट पर कोलकाता जाने वाली उड़ान रवाना हो रही थी, तभी उसका एसी बंद हो गया और तेज आवाज सुनाई दी, जिससे विमान में सवार यात्री घबरा गए थे। उन्होंने बताया था कि तुरंत पायलट ने विमान को रोककर उसे बे (पार्किंग) में लाया और सभी यात्रियों को उतारने के बाद विमान की जांच की गई, तो एसी खराब होने का पता चला। शर्मा ने बताया था कि इंडिगो के एटीआर-72 विमान को दुरुस्त कर लिया गया। उन्होंने कहा था कि घटना के समय विमान में 62 यात्री सवार थे। हादसे में किसी को कोई क्षति नहीं हुई थी। हादसे के बारे में इंडिगो की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — आभार, आत्मा से उत्पन होने वाली सबसे खुबसूरत कली है। - हेनरी वार्ड बीचर

संपादकीय

पाकिस्तान में संकट

पाकिस्तान में सियासी संकट फिर गहराना न सिर्फ शर्मनाक, बल्कि दुखद भी है। तकनीक से धन तक, हर छोटी-बड़ी चीज के लिए दुनिया के देशों पर निर्भर पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार ने अविश्वास मत प्रस्ताव से बचने के लिए विदेशी ताकतों को जिम्मेदार ठहरा दिया है। विचित्र स्थिति के बीच वहां रविवार को संसद भंग कर दी गई है और अब सबकुछ ठीक रहा, तो 90 दिनों में चुनाव कराए जाएंगे। जब संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होना था, तब संसद के डिप्टी स्पीकर ने विदेशी साजिश का हवाला देते हुए प्रस्ताव को ही खारिज कर दिया। हालांकि, स्पष्ट है कि वहां सरकार संसद का विश्वास खो चुकी है और उसने खुद को कुछ दिन और सत्ता में बचाने के लिए यह कदम उठाया है। अब इमरान खान की पूरी कोशिश होगी कि वह कथित विदेशी ताकतों को ही मुद्दा बनाकर चुनाव में जाएं और लोगों से वोट मांगें। क्या पाकिस्तान के मतदाता इमरान खान पर विश्वास करेंगे? इशारा साफ है कि पाकिस्तान में आगामी चुनाव बहुत नाटकीय होंगे। बड़े-बड़े दावों और वादों की बौछार होगी। आज पाकिस्तान बड़े त्रासद सवालों से घिर गया है। क्या वाकई अमेरिका इमरान खान की सरकार गिराने में लगा हुआ है? इस मामले में पाकिस्तान अपने सबसे करीबी मित्र चीन पर कभी उंगली नहीं उठाएगा और जहां तक भारत का सवाल है, तो पाकिस्तान में सरकार गिराने या बनाने में भारत की कभी भूमिका नहीं रही है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञ भी यही मान रहे हैं कि इमरान अपनी कमियों का ठीकरा विदेशी ताकतों पर फोड़ रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि पाकिस्तान जिस भी देश को दोषी ठहराएगा, उस देश से उसके संबंध और बिगड़ेंगे। खैर, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के तर्क विपक्ष के गले नहीं उतरे हैं और विपक्ष न केवल बर्खास्त संसद में अड़ता दिख रहा है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश ने उचित ही आनन-फानन में मामले की सुनवाई के लिए विशेष पीठ का गठन कर दिया है। विपक्षी दल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी का कहना है कि इमरान सरकार ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। कम से कम पंद्रह दिन से यह बात बिल्कुल साफ थी कि विपक्ष संख्याबल में मजबूत है और सत्तारूढ़ पार्टी में फूट इतनी बढ़ चुकी है कि उसे दुरुस्त नहीं किया जा सकता। कायदे से बहुमत बनाए रखने में नाकाम इमरान खान को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या संसद को विश्वास में लेने की पुरजोर कोशिश के बाद मतदान कराना चाहिए था, लेकिन उन्होंने संसद में न आते हुए सत्ता बनाए रखने का यह आसान तरीका आजमाया। लेकिन विपक्ष भी हार मानने वाला नहीं है, पूरा विपक्ष एकजुट होकर सांविधानिक अधिकार की मांग कर रहा है। पाकिस्तान में जो अविश्वास का माहौल बन गया है, उसे अचानक से दूर नहीं किया जा सकता। सत्ता मोह अपनी जगह है, लेकिन लोकतंत्र में सत्ता पास रखने के लिए बहुमत उससे भी जरूरी है। हालांकि, यह अच्छी बात है कि पाकिस्तानी फौज परिदृश्य में पीछे है, वरना ऐसे सियासी मौकों पर उसे सत्ता कब्जाने की साजिश में अक्सर देखा गया है। यह जम्हूरियत पसंद पाकिस्तानी नेताओं के लिए बेहतर अवसर है कि वह पूरी जिम्मेदारी का परिचय दें और बहुमत द्वारा शासन की आदर्श स्थिति बनाएं। पाकिस्तान में सच्ची जम्हूरियत न सिर्फ दक्षिण एशिया, बल्कि दुनिया के लिए हितकारी है।

कब तक रहेगी हालात की मारी प्रकृति बेचारी?

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

सच में प्रकृति की अनदेखी वो बड़ी भूल है जो पूरी मानवता के लिए जीवन, मरण का सवाल है। बस वैज्ञानिकों तक ज्वलंत विषय की सीमा सीमित कर कर्तव्यों की इतिश्री मान हमने वो बड़ी भूल या ढिठाई की है जिसका खामियाजा हमारी भावी पीढ़ी भुगतेगी। इसे हम जानते हैं, लेकिन फिर भी हैं कि मानते नहीं। इसे नाइंसाफी कहें या गद्दारी, कुछ भी कह लें लेकिन सच है। यह कभी क्यों नहीं चुनावी एजेण्डा बनता कि राजनीतिक दलों, उनके आकाओं, जनप्रतिनिधियों तथा नुमाइन्दगी का ख्वाब देखने वालों को तेजी से बदल रही प्रकृति और उसके कारणों के बारे में कितना पता है? सच तो यह है कि राजनीति की बिसात में हर कहीं अगर कोई गच्चा खाता है तो वह है वही प्रकृति जिसकी बदौलत ही हम हैं, हमारा अस्तित्व है। ऐसे सवाल जायज हैं, उठने भी चाहिए। पर्यावरण-प्रदूषण की चिन्ता राजनीति में सबसे ऊपर होनी चाहिए। लेकिन सभी राजनैतिक दलों ने बेशर्म खामोशी ओढ़ी हुई है। लगता नहीं कि पर्यावरण और प्रदूषण भी अहम चुनावी मुद्दा बनते तो अस्तित्व के भविष्य की चिन्ता करने की ईमानदार पहल जरूर कहलाती? चुनावी चकल्लस और नेताओं के लुभावने वादों के बीच न तो कोई धरती की चिन्ता करने वाला है और न कोई भू-गर्भ और आसमान को लेकर गंभीर दिख रहा है। शायद इनका चुनावों से सीधा वास्ता जो नहीं है। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इतनी सी भूल या भुलाने की कोशिश जीवन पर धीरे-धीरे भारी पड़ती जा रही है। हर साल बाढ़ की बढ़ती भयावहता, धरती की बढ़ती तपन, तेजी से कटते जंगल, रेत से चलते छलनी होती नदियाँ, गिट्टियों में तब्दील होते पहाड़, अंधाधुंध प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हमारी भविष्य की पीढ़ी के लिए बड़ा अभिशाप है। उससे भी दुखद यह कि सबको, सब कुछ पता है लेकिन फिर भी गंभीर कोई दिखता नहीं है। शायद यही कारण है कि देश के किसी भी राजनैतिक दल के अहम मुद्दों में ऐसे विषय शामिल ही नहीं हैं! कब तक नहीं रहेंगे यह भी नहीं पता। प्रदूषित होती नदियां जितनी चिन्ता का विषय हैं उससे बड़ी चिन्ता मानव निर्मित वो कारण हैं जो इसके मूल में हैं। केवल भारत के संदर्भ में बात करें तो भारत में अब 'जल क्रान्ति' की जरूरत है। पेयजल और सिंचाई के लिए घटते और सूखते जलस्त्रोंतों की चिन्ता करनी होगी। वाकई लोगों को स्वस्फूर्त इस पर सोचना ही होगा। लोग जागरूक हों और कुछ करें तभी सकारात्मक नतीजे निकलेंगे वरना आयोग, बोर्ड, ट्रिब्यूनल बनते हैं, बनते रहेंगे। बहस, सुनवाई, फैसले होंगे, महज औपचारिकताओं की पूर्ति होगी और हर गांव, कस्बे, शहर, महानगर की आबादी की गंदगी का आसान और नि:शुल्क वाहक बनीं नदियां दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होंगी, सूखेंगी और मरती रहेंगी। तीन दशकों से जारी गंगा की सफाई हमेशा चर्चाओं में रही। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व की तल्ख टिप्पणी जिसमें मौजूदा कार्ययोजनाओं से क्या गंगा 200 साल में भी साफ हो पाएगी, बेहद मायने रखती है। सच में कदम तो वो हों जिससे गंगा अपनी पुरानी भव्यता यानी प्रिस्टीन ग्लोरी हासिल कर सके। यह दशा, कहानी या सच्चाई उस गंगा की है जो मोक्ष दायिनी है जो खुद अपने मोक्ष को तरस रही है। नर्मदा और भी श्रेष्ठ मानी गयी है। पद्म पुराण में लिखा है 'पुण्या कनखले गंगा, कुरुक्षेत्रे सरस्वती। ग्रामे वा यदि वारण्ये, पुण्या सर्वत्र नर्मदा ।। अर्थात गंगां को कनखल तीर्थ में विशेष पुण्यदायी माना जाता है, सरस्वती को कुरुक्षेत्र में, किन्तु नर्मदा चाहे कोई ग्राम हो या फिर जंगल सर्वत्र ही विशेष पुण्य देने वाली है। ऐसी पवित्र नर्मदा अपने उद्गम अमरकण्टक के उद्गम कुण्ड से ही प्रदूषित होने लगती है। भारत के 27 राज्यों में 150 नदियां प्रदूषित हैं लेकिन इसकी चिन्ता किसे? थोड़ा पीछे चलना होगा। 5 साल पहले देश में धान का कटोरा कहा जाने वाला छत्तीसगढ़ उसमें भी खास पहचान लिया बिलासपुर 23 मई 2017 को बेहद तेजी से, एकाएक 50 डिग्री सेल्सियस का तापमान छूकर चर्चाओं में आ गया था। वायुमण्डल में घुली कार्बन डाई ऑक्साइड, पराबैंगनी विकरण के सोखने और छोड़ने से हवा, धरती और पानी तीनों गर्म होते हैं। पिछली आधी सदी में कोयला-पेट्रोलियम के धुंएं ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और दूसरी ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा खतरनाक हदों तक पहुंचा दिया। सामान्यत: सूर्य की किरणों से आने वाली ऊष्मा का एक हिस्सा वायुमण्डल को जरूरी ऊर्जा देकर, अतिरिक्त विकिरण धरती की सतह से टकराकर वापस अन्तरिक्ष को लौटता है। लेकिन यहां मौजूद ग्रीनहाउस गैसें, लौटने वाली अतिरिक्त ऊष्मा को भी सोख लेती हैं जिससे धरती की सतह का तापमान बढ़ जाता है। मार्च तो बीत गया लेकिन गर्मी के तेवर मार्च के दूसरे हफ्ते से ही असहनीय से हो गए। अगले तीन महीनों का हाल समझा जा सकता है। वर्षा जल संचय के लिए ठोस प्रबंधन और जनजागरूकता के लिए कुछ ही हफ्तों में बड़ी-बड़ी बातें सुनाईं देंगी। बस आदेश-निर्देश की हर रोज फेहरिस्तें निकलने लगेंगी। लेकिन जब तक कुछ करने या पानी को बचाने पर अमलीजामा पहनाने के लिए दौड़ते कागजी घोड़े थमेंगे तब तक बारिश निकल चुकी होगी। यह हकीकत है। बस इन्हीं दिखावे या औपचारिकताओं ने पेयजल की किल्लत को और बढ़ाया है। नए हिमखण्डों के लिए उचित वातावरण नहीं हैं। जो बचे हैं वो पर्यावरण असंतुलन से पिघल रहे हैं। पृथ्वी पर 150 लाख वर्ग कि.मी. में करीब 9-10 प्रतिशत हिमखंड बचे हैं। ठण्ड के साथ गैस चैम्बर बनते महानगर, झील से सड़कों तक फैलता केमिकल झाग, सूखे तालाब, लापता होते पोखर, समतल होते सूखे कुएँ उसके बावजूद अंधाधुंध प्राकृतिक संसाधनों का दोहन खासकर भारत में बड़ी चिन्ता का विषय है। कभी सोचा है कि लगातार बीमार हो रही धरती को सेहतमंद बनाने और उसके स्वस्थ जीवन के लिए पहाड़, जंगल, नदी, तालाब, पोखर बचाना, उन्हें जिन्दा रखना जरूरी है या क्रंक्रीट के जंगल, कल-कारखाने, पॉवर प्लाण्ट की चिमनियों और धुंए के गुबार के बीच मानव निर्मित हिरोशिमा-नागासाकी से भी बड़ा सच बनाना जो चुपचाप, बिना आवाज दुनिया के मुंह बाएं खड़ा है। दुनिया के विकसित और विकासशील देशों में इसको लेकर बस चिन्ताएं दिखती हैं लेकिन भारत में पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर कितनी ईमानदार कोशिशें की जा रही हैं यह भी खुली आँखों दिखता है। काश राजनीतिक दलों के लिए जीवनदायिनी प्रकृति भी मुद्दा हो पाती और भारत के माथे को ऊंचा करने का दावा करने वाले तमाम राजनीतिक दल भी इसे समझ पाते! अब वह वक्त आ गया है जब एक कॉमन एजेण्डा होना चाहिए जहाँ राजनीति के बराबर प्रकृति के हालातों पर भी बहस हो और परिणाम दिखें। 21 वीं सदी में यह सोचना बेमानी तो नहीं लगता? बात बात राजनीतिज्ञों के ईमान की है, पता नहीं गंभीर होंगे भी या नहीं। फिलाहाल तो हर रोज हमारी धरती, हमारा आसमान प्रदूषण के नए-नए दंश को झेल रहा है। जिससे आम और खास, इंसान और परिन्दे, जानवर और कीड़े-मकोड़े, फसल और जंगल यानी सभी की साँस की डोर बंधी है, उसी की फिकर हमारे नुमाइन्दों को नहीं है? यब बेहद सोचनीय है। सभी की बेरुखी से डर बस इतना है कि कहीं आसमान का फेफड़ा पूरा न फट पाए और धरती का कलेजा सूख-सूख सिकुड़ न जाए! भला कौन और कब सोचेगा कि जब हम ही नहीं होंगे तब राजनीति कहाँ होगी?

प्राकृतिक साम्य से पुनर्जीवन का पर्व

हेमंत शर्मा

चैत्र प्रतिपदा, यानी गुड़ी पड़वा, अपना न्यू ईयर, नवीनता का पर्व। हम यह मानते हैं कि दुनिया इसी रोज बनी थी। यह हमारा नया साल है, लेकिन अपना यह नववर्ष रात के अंधेरे में नहीं आता। हम नववर्ष पर सूरज की पहली किरण का स्वागत करते हैं जबकि पश्चिम में घुप्प अंधेरे में नए साल की अगवानी होती है। हमारे नए साल का तारीख से उतना संबंध नहीं है, जितना मौसम से है। उसका आना सिर्फ कैलेंडर से पता नहीं चलता। प्रकृति झकझोरकर हमें चौतरफा फूट रही नवीनता का अहसास कराती है। पुराने पीले पत्ते पेड़ से गिरते हैं। नई कोंपलें फूटती हैं। प्रकृति अपने शृंगार की प्रक्रिया में होती है। लाल, पीले, नीले, गुलाबी फूल खिलते हैं। ऐसा लगता है कि पूरी-की-पूरी सृष्टि नई हो गई है। नव गति, नव लय, ताल, छंद, नव; सब नवीनता से लबालब। जो कुदरत के इस खेल को नहीं समझते, वे न समझें। जो नहीं समझे, उनके लिए फरहत शहजाद की एक ग़ज़ल भी है, जिसे मेंहदी हसन ने गाया था— कोंपलें फिर फूट आईं, शाख पर कहना उसे/ वो न समझा है, न समझेगा मगर कहना उसे। हम दुनिया में सबसे पुरानी संस्कृति के लोग हैं। इसलिए समझते हैं कि ऋतु चक्र का घूमना ही शाश्वत है, जीवन है। तभी हम इस नए साल के आने पर वैसी उछल-कूद नहीं करते, जैसी पश्चिम में होती है। हमारे स्वभाव में इस परिवर्तन की गरिमा है। हम साल के आने और जाने दोनों पर विचार करते हैं। पतझड़ और बसंत साथ-साथ। इस व्यवस्था के गहरे संकेत हैं। आदि-अंत, अवसान-आगमन, मिलना-बिछुड़ना, पुराने का खत्म होना, नए का आना। सुनने में चाहे भले यह असगंत लगे। पर हैं साथ-साथ, एक ही सिक्के के दो पहलू। जीवन का यही सार हमारे नए साल का दर्शन है। काल को पकड़ उसे बांटने का काम हमारे पुरखों ने सबसे पहले किया। काल को बांट दिन, महीना, साल बनाने का काम भारत में ही शुरू हुआ। जर्मन दार्शनिक मैक्समूलर भी मानते हैं—'आकाश मंडल की गति, ज्ञान, काल निर्धारण का काम पहले-पहल भारत में हुआ था।' ऋग्वेद कहता है, 'ऋषियों ने काल को बारह भागों और तीन सौ साठ अंशों में बांटा है।' वैज्ञानिक चिंतन के साथ हुए इस बंटवारे को बाद में ग्रेगेरियन कैलेंडर ने भी माना। आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, वराहमिहिर और ब्रह्मगुप्त ने छोटी-से-छोटी और बड़ी-से-बड़ी काल की इकाई को पहचाना। बारह महीने का साल और सात रोज का सप्ताह रखने का रिवाज विक्रम संवत् से शुरू हुआ। वीर विक्रमादित्य उज्जयिनी का राजा था। शकों को जिस रोज उसने देश से खदेड़ा, उसी रोज से विक्रम संवत् बना। इतिहास देखने से लगता है कि कई विक्रमादित्य हुए। बाद में यह पदवी हो गई। पर लोकजीवन में उसकी व्याप्ति न्यायपाल के नाते ज्यादा है। उसकी न्यायप्रियता का असर उस सिंहासन पर भी आ गया था, जिस पर वह बैठता था। जो उस सिंहासन पर बैठा, गजब का न्यायप्रिय हुआ। लोक में शकों से विक्रमादित्य के युद्ध की कथा नहीं, उसके सिंहासन की चलती है। विक्रम संवत् से 6667 ईसवी पहले सप्तर्षि संवत् यहां सबसे पुराना संवत् माना जाता था। फिर श्रीकृष्ण जन्म से कृष्ण कैलेंडर, उसके बाद कलि संवत् आया। विक्रम संवत् की शुरुआत 57 ईसा पूर्व में हुई। इसके बाद 78 ईसवी में शक संवत् शुरू हुआ। भारत सरकार ने शक संवत् को ही माना है। विक्रम संवत् की शुरुआत सूर्य के मेष राशि में प्रवेश से मानी जाती है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही चंद्रमा का 'ट्रांजिशन' शुरू होता है। इसलिए चैत्र प्रतिपदा चंद्रकला का पहला दिन होता है। मानते हैं कि इस रोज चंद्रमा से जीवनदायी रस निकलता है, जो औषधियों और वनस्पतियों के लिए जीवनप्रद होता है। इसीलिए वर्ष प्रतिपदा के साथ ही वनस्पतियों में जीवन भर आता है। चंद्रवर्ष 354 दिन का होता है। यह भी चैत्र से शुरू होता है। सौरमास में 365 दिन होते है। दोनों में हर साल दस रोज का अंतर आ जाता है। ऐसे बढ़े हुए दिनों को ही 'मलमास' या 'अधिमास' कहते हैं। कागज पर लिखे इतिहास से नहीं, परंपरा से हमारी दादी वर्ष प्रतिपदा से ही नया वर्ष मानती थीं। यही संस्कार मुझमें हैं। जिस कारण मैं अपने बच्चों को आज भी तिथि-ज्ञान देता रहता हूं। हमारी परंपरा में नया साल खुशियां मनाने का नहीं, प्रकृति से मेल बिठा खुद को पुनर्जीवित करने का पर्व है। तभी तो नए साल के मौके पर नीम की कोंपलें काली मिर्च के साथ चबाने का खास महत्व था। ताकि साल भर हम संक्रमण या चर्मरोग से मुक्त रहें। इस बड़े देश में हर वक्त, हर कहीं, एक सा मौसम नहीं रहता। इसलिए अलग-अलग राज्यों में स्थानीय मौसम में आने वाले बदलाव के साथ नया साल आता है। वर्ष प्रतिपदा भी अलग-अलग जगह थोड़े अंतराल पर मनाई जाती है। कश्मीर में इसे 'नवरोज' तो आंध्र और कर्नाटक में 'उगादि', महाराष्ट्र में 'गुड़ी पड़वा', केरल में 'विशु' कहते हैं। सिंधी इसे 'झूलेलाल जयंती' के रूप में 'चेटीचंड' के तौर पर मनाते हैं। तमिलनाडु में 'पोंगल', बंगाल में 'पोएला बैसाख' और गुजरात में दीपावली पर नया साल मनाते हैं। कहते हैं—ब्रह्मा ने चैत्र प्रतिपदा के दिन ही दुनिया बनाई। भगवान् राम का राज्याभिषेक इसी दिन हुआ था। महाराज युधिष्ठिर भी इसी दिन गद्दी पर बैठे थे। छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदू पद पादशाही की स्थापना इसी दिन की। परंपरा से धड़कते 'पोएला वैशाख' की महिमा लाल से लाल मार्क्सवादी भी मानते हैं। बंगाल की संस्कृति में रचे-बसे इस पर्व के रास्ते में कभी मार्क्स ने बाधा नहीं डाली। सैकड़ों सालों तक भारत में विभिन्न प्रकार के संवत् प्रयोग में आते रहे। इससे काल निर्णय में अनेक भ्रम हुए। अरब यात्री अलबरुनी के यात्रा वृत्तांत में पांच संवतों का जिक्र है। श्रीहर्ष, विक्रमादित्य, शक, वल्लभ और गुप्त संवत्। प्रो. पांडुरंग वामन काणे अपने धर्मशास्त्र के इतिहास में लिखते हैं—'विक्रम संवत् के बारे में कुछ कहना कठिन है।' वे विक्रमादित्य को परंपरा मानते हैं। पर कहते हैं, 'यह जो विक्रम संवत् है, वह ई.पू. 57 से चल रहा है और सबसे वैज्ञानिक है।' अगर न होता तो पश्चिम के कैलेंडर में यह तय नहीं है कि सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण कब लगेंगे, पर हमारे कैलेंडर में तय है कि चंद्रग्रहण पूर्णिमा को और सूर्यग्रहण अमावस्या को ही लगेगा। जो भी हो—परंपरा, मौसम और प्रकृति के मुताबिक 'वर्ष प्रतिपदा' नए सृजन, वंदन और संकल्प का उत्सव है। मौसम बदलता है, शाम सुरमई होती है, रात उदार होती है। जीवन का उत्सव मनाते कहीं रंग होता है, कहीं उमंग।

आज के कार्टुन

उलझनें

सद्गुरु

आध्यात्मिक मार्ग पर यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप किसी विशेष जगह पहुंचने का प्रयत्न न करें, क्योंकि जैसे ही आप कुछ विशेष पाना चाहेंगे, आपका मन 'वह विशेष स्थान' बनाने लगेगा। आप अपना खुद का निजी स्वर्ग ही बना लेंगे। आध्यात्मिक प्रक्रिया का अर्थ यह नहीं है कि आप वहम, मतिभ्रम के एक स्तर से निकल कर दूसरे स्तर पर पहुंच जाएं। यह इसलिए है कि आप अपने सारे वहम, सारे मतिभ्रम बिल्कुल ही छोड़ दें, पूर्ण रूप से त्याग दें और वास्तविकता को उसी रूप में स्वीकार करें, जैसी वो है, क्योंकि ये सारे प्रयत्न सत्य के बारे में हैं। सत्य का अर्थ है, जो अस्तित्व में है, न कि वह जो आप अपने मन में बना लेते हैं। हम अपने मन में भगवान या शैतान देख सकते हैं- दोनों का ही महत्व नहीं है। आप जो कुछ देखते हैं वह आपकी संस्कृति पर निर्भर करता है, और उन चीजों पर भी जिनका अनुभव आपको हुआ है। जब आप लोगों को देखते हैं तो उनमें भगवान को देखते हैं, या शैतान को, यह इस पर निर्भर करता है कि आप आशावादी हैं, या निराशावादी। इसका संबंध वास्तविकता से नहीं होता। वास्तविकता तो यह है कि अभी आप यहां हैं, और आपको यह भी नहीं पता कि आप किस कारण से यहां हैं, कहां से आए हैं, और कहां जाएंगे? यही जीवन की वास्तविकता है। कुछ धर्मो ने हमेशा आशा बांटी है, लेकिन वास्तव में किसी मनुष्य के लिए अगर सबसे खराब कुछ हो सकता है, तो वह है आशा, क्योंकि आशा का अर्थ है कि आप भविष्य की कल्पनाओं में खो जाएंगे, 'अभी हालत खराब है लेकिन कोई बात नहीं, मैं अच्छा आदमी हूं, लेकिन गरीब हूं तो क्या, जब मैं स्वर्ग में जाऊंगा तब भगवान की गोद में बैठूंगा'। यही आशा है। आप को बस अपने आप को ऐसे बनाना है कि आप कोई कल्पना न करें, अच्छी या बुरी। आप कोई भगवान या शैतान न बनाएं, स्वर्ग और नर्क, अच्छा और खराब न बनाएं। जैसे ही कोई आपको आशा की झलक देगा, आप कल्पना करने लगेंगे। आशा, झूठ का पुलिंदा बनाने का तरीका है। अगर आप आनंदमय रूप से आशारहित होंगे, तो बात बन जाएगी। आप ऐसी जगह पहुंच पाएं, जहां आप को किसी आशा की जरूरत न हो। फिर जो भी हो आप ठीक रहेंगे, क्योंकि आपने अपने अंदर ही कुछ पा लिया है।

सू-दोकू नवताल - 2085

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

सू-दोकू - 2084 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2085

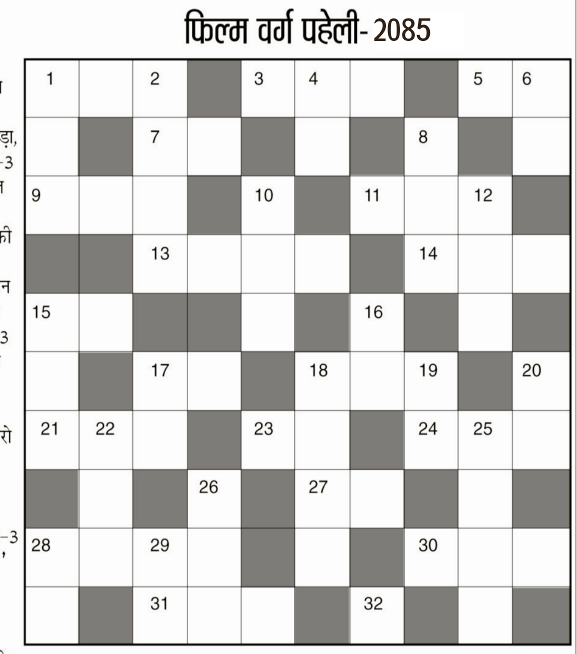

बायें से दायें:-

1. 'जान की कसम सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पहली पहली बार बलिये' गीत वाली अक्षय कुमार, प्रीति की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली फिल्म-2
7. 'तू मेरे पास भी है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, मनोज राजपाल, उर्मिला की फिल्म-2
9. फिल्म 'सत्यकाम' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी?-3
11. गोविंदा, उर्मिला मातोंडकर की 'ये लड़की जवान हो गई' गीत वाली फिल्म-3
13. राकेश रोशन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2,2
14. 'तेरे संग प्यार मैं' गीत वाली फिल्म-3
15. फिल्म 'जय संतोषी मां' के गीत 'मैं तो आरती उतारूं रे' की गायिका-2
17. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन अभिनीत फिल्म-2
18. मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा, सरिता अभिनीत फिल्म-3
21. 'चंदा मामा दूर के' गीत वाली फिल्म-3
23. रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
24. सनी देओल, रवीना टंडन की 'सैंया मान दिल की बात' गीतवाली फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था?-4
30. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-3
31. फिल्म 'पाप की कमाई' में सनी देओल के साथ नायिका -3
32. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
2. 'आ लग जा गले' गीत वाली फिल्म-2,2
4. विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-2
6. राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-2
8. 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-3
10. अजय, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
12. अशोक पिच्चर्स द्वारा निर्मित अशोक कुमार, किशोर कुमार, पद्मिनी की 1958 की एक फिल्म-3
15. शशि कपूर, शेखर सुमन, रेखा, नीना गुप्ता की फिल्म-3
16. फिल्म 'लव लव लव' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी?-2
17. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
18. मिथुन, जैकी, जूही, दिव्या भारती की 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली फिल्म-4
19. 'छम से वो आ जाए' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
22. 'कल की हसीं मुलाकात के लिए' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. जैकी, अक्षय खन्ना, डिम्पल, मनीषा की 'आ कहीं दूर चले जाएं हम' गीत वाली फिल्म-4
26. साधना के डबल रोल वाली फिल्म 'मेरा साया' का नायक कौन था?-3
28. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, मनोज वाजपेई, रवीना, नंदिता की फिल्म-2
29. 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी?-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2084

हीरो सबसे पॉपुलर और बड़ी टू-व्हीलर कंपनी बनी

हीरो मोटोकॉर्प की मार्च में बिकी 4.5 लाख यूनिट

नई दिल्ली ।

हीरो मोटोकॉर्प भारत समेत दुनियाभर की सबसे पॉपुलर और बड़ी टू-व्हीलर कंपनी बनी हुई है। मार्च 2022 में कंपनी ने घरेलू और इंटरनैशनल मार्केट में कुल 4,50,154 टू-व्हीलर्स बेचे हैं, जो कि फरवरी 2022 के मुकाबले करीब 26 फीसदी ज्यादा है। हीरो मोटोकॉर्प ने मार्च 2022 में कितने मोटरसाइकल और स्कूटर बेचे और कितने यूनिट एक्सपोर्ट किए? हीरो मोटोकॉर्प की मार्च 2022 सेल्स रिपोर्ट देखें तो इस कंपनी ने घरेलू मार्केट में कुल 4,15,764 मोटरसाइकल और स्कूटर बेचे। वहीं, कुल 34,930 यूनिट टू-व्हीलर एक्सपोर्ट किए। अब बात करें कि हीरो की कितनी बाइक बिकी और लोगों के मार्च में कितने स्कूटर खरीदे, तो हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले महीने देश-विदेश में करीब 4.16 लाख मोटरसाइकल बेचे। वहीं, इस अवधि में कुल 24,433 स्कूटर बेचे। कुल मिलाकर 4.5 लाख यूनिट हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले बेचे है, जो कि मार्च 2021 की 5.77 लाख यूनिट के मुकाबले 21 फीसदी कम है। समय के साथ हीरो मोटोकॉर्प के टू-व्हीलर्स के एक्सपोर्ट में रफ्तार देखने को मिल रही है। आपको बता दें कि हीरो मोटोकॉर्प भारत में सबसे ज्यादा टू-व्हीलर बेचती है और इसके ज्यादातर कम्यूटर बाइक हैं, जिनकी माइलेज अच्छी होती है। हीरो स्प्लेंडर कंपनी की बेस्ट सेलिंग मोटरसाइकल है। इसके साथ ही हीरो एचएफ डीलक्स, हीरो पैशन प्रो, हीरो ग्लैमर समेत अन्य बाइक की भी अच्छी बिक्री होती है। हीरो डेस्टिनी और हीरो माएस्ट्रो के साथ ही हीरो प्लेजर जैसे स्कूटर भी लोगों को खूब पसंद आते हैं। हीरो मोटोकॉर्प इस साल भारत में अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने की तैयारी में है। एडवेंचर सेगमेंट में भी हीरो की धांसू बाइक्स हैं। मालूम हो कि भारत की सबसे पॉपुलर टू-व्हीलर कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के जहां इस देसी कंपनी ने फरवरी 2022 के मुकाबले ज्यादा बाइक और स्कूटर बेचे।

भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 418 अरब डॉलर वस्तुओं का निर्यात किया

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग वस्तुओं, रत्न एवं आभूषण और रसायन क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का वस्तुओं का निर्यात 418 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में वित्त वर्ष 2021-22 के व्यापार आंकड़े जारी करते हुए यह जानकारी दी। इन आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2022 में देश ने 40 अरब डॉलर का निर्यात किया जो एक महीने में निर्यात का सर्वोच्च स्तर है। इसके पहले मार्च, 2021 में निर्यात का आंकड़ा 34 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021-22 के दौरान भारत का वस्तु व्यापार (निर्यात एवं आयात) एक खरब डॉलर के पार चला गया क्योंकि देश का आयात भी 610 अरब डॉलर के अब तक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत ने वित्त वर्ष 2020-21 में 292 अरब डॉलर का निर्यात किया था। वर्ष 2021-22 में निर्यात आंकड़ा बड़ी बढ़त के साथ 418 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। ` पिछले महीने 23 मार्च को देश ने 400 अरब डॉलर के निर्यात आंकड़े को पार कर लिया था। गोयल ने कहा कि इस वित्त वर्ष में भारत ने सबसे ज्यादा अमेरिका को निर्यात किया और उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), चीन, बांग्लादेश एवं नीदरलैंड का स्थान रहा। उन्होंने कहा` कि भारत से वस्तुओं का निर्यात चालू वित्त वर्ष में 417.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस आंकड़े में गैर-ईडीआई बंदरगाह से निर्यात के आंकड़े शामिल नहीं हैं और उसे जोड़ने पर निर्यात का पूरा आंकड़ा 418 अरब डॉलर के पार हो जाने की उम्मीद है।

विदेशी निवेशकों का टूटा भरोसा, भारतीय बाजार से 41,000 करोड़ की निकासी

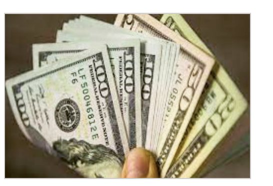

नई दिल्ली ।

विश्व के कई देशों छाई अस्थिरता की वजह से बाजार बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। यूक्रेन-रूस युद्ध , श्रीलंका संकट, पाकिस्तान में सरकार पर संकट और अमेरिका के शीर्ष बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी का असर बाजार पर साफ दिख रहा है। इसकारण भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों में बिकवाली की होड़ मची हुई है। लोग अपना पैसा निकाल कर सुरक्षित विकल्पों में निवेश कर रहे हैं। वैश्विक अस्थिरता का आलम यह है कि विदेशी निवेशकों ने मार्च में भारतीय इक्विटी बाजार से 41,000 करोड़ की निकासी की है। विशेषज्ञों ने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के प्रवाह में निकट भविष्य में अस्थिर रहने की उम्मीद है, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों और महंगाई दर में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने इक्विटी बाजार में एफपीआई ने 41,123 करोड़ के शुद्ध बिकवाली की थी। फरवरी में विदेशी निवेशकों की निकासी का यह आंकड़ा 35,592 करोड़ रुपये था,जनवरी में 33,303 करोड़ की शुद्ध निकासी से की गई। विदेशी निवेशक पिछले छह महीनों से इक्विटी से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निकासी हो चुकी है।बाजार जानकार निकासी हो चुकी है।बाजार जानकार कहते हैं कि फेड की बदलती ब्याज दरों के चलते विदेशी निवेश पर विपरीत असर पड़ रहा है। फेड की ब्याज दरों के अलावा कच्चे तेल के दामों में उछाल, रूस-यूक्रेन संघर्ष आदि के चलते भी विदेशी निवेशकों का भरोसा टूट रहा है। बाजार जानकार का कहना है कि बैंकिंग और फाइनेंशियल सेवा क्षेत्र से बड़े पैमाने पर निकासी की मुख्य वजह भारत में एफपीआई एसेट्स का पोर्टफोलियो निर्माण और क्षेत्र में शेयरों का उच्च मूल्यांकन है।

देश में अब भरपूर होगा ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन

नई दिल्ली ।

देश में ग्रीन हाइड्रोजन की जरूरत को देखते हुए तीन दिग्गज कंपनियां एक साथ आई हैं। ये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो और रिन्यू पावर हैं। इन तीनों कंपनियों ने एक जॉइंट वेंचर कंपनी बनाने के लिए आपस में समझौता किया है। यह कंपनी भारत में ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर विकसित करने का काम करेगी। ये तीनों ही कंपनियां अपने-अपने क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां हैं। ऐसे में इस नए वेंचर में इन तीनों कंपनियों की विशेषज्ञता शामिल होगी। एलएंडटी ईपीसी परियोजनाओं को डिजाइन करने, क्रियान्वित करने और वितरित करने में एक मजबूत साख रखती है। इंडियन ऑयल पेट्रोलियम रिफाइनिंग में विशेषज्ञता के साथ ही सभी ऊर्जा स्रोतों में अपनी उपस्थिति रखता है। वहीं रिन्यू बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा समाधान विकसित करने और उसकी पेशकश करने के लिए जानी जाती है। इसके अतिरिक्त ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में उपयोग होने वाले इलेक्ट्रोलाइजर्स को बनाने और बेचने के लिए इंडियन ऑयल और एलएंडटी ने एक जॉइंट वेंचर पर समझौता किया है। इस समझौते पर इंडियन ऑयल के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैध ने कहा` कि हम कार्बन उत्सर्जन को कम करने कि दिशा में देश की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ग्रीन हाइड्रोजन में देश की क्षमता बढ़ाकर ऐसा करना चाहते हैं। वहीं एलएंडटी के सीईओ और एमडी एसएन सुब्रमण्यम ने कहा` कि भारत कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दिशा में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन बेहद महत्वपूर्ण है। इंडियन ऑयल-एलएंडटी-रिन्यू जॉइंट वेंचर औद्योगिक स्तर पर ग्रीन हाइड्रोजन की सप्लाई के लिए ग्रीन हाइड्रोजन रिन्यू पावर के चेयरमैन और सीईओ सुमंत सिन्हा ने कहा ` कि इस प्रस्तावित जॉइंट वेंचर की टाइमिंग महत्वपूर्ण है ।

संक्षिप्त समाचार

वित्त वर्ष 2022-23 में 7.4 प्रतिशत रह सकती है जीडीपी वृद्धि दरः रिपोर्ट

नई दिल्ली । एक सर्वेक्षण` रिपोर्ट के मुतो बिक वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ती हुई कीमतें वैश्विक आर्थिक पुनरुद्धार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर सकता है। चालू वित्त वर्ष के ओ खिर तक रेपो दर में 50-75 आधार अंक की वृद्धि हो सकती है। सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि आरबीआई अगले हफ्ते की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर को अपरिवर्तित रखकर आर्थिक पुनरुद्धार को अपना समर्थन बरकरार रख सकता है। इस रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद जताई गई है। हालांकि रिपोर्ट में वृद्धि से जुड़े जोखिमों को लेकर भी सतर्क किया गया है। इसके मुताबिक रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग वैश्विक पुनरुद्धार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस सर्वेक्षण में शामिल अर्थशास्त्रियों का यह भी मानना है कि वैश्विक मुद्रास्फीति के पहली छमाही में बढ़ने की आशंका है लेकिन उसके बाद इसमें नरमी आ सकती है।

मार्च में भारत की विनिर्माण गतिविधियों में आई नरमी

नई दिल्ली । भारत की विनिर्माण गतिविधियों में मार्च 2021 में नरमी देखने को मिली और इस दौरान मुद्रास्फीति की चिंताओं के चलते कारोबारियों का भरोसा कम होने से कंपनियों के नए ऑर्डर और उत्पादन की रफ्तार कम हुई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च में 54.0 पर था, जो फरवरी में 54.9 पर था। मार्च के आंकड़े उत्पादन और बिक्री में सितंबर 2021 के बाद से सबसे कमजोर वृद्धि को दर्शाते हैं। हालांकि लगातार नौ महीनों से कुल परिचालन दशाओं में सुधार का रुख जारी है। पीएमआई की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ विस्तार होता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल की एक अर्थशात्री ने कहा कि कि वित्त वर्ष 2021-22 के ओ खिरी में भारत में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि कमजोर हुई है और कंपनियों ने नए ऑर्डर तथा उत्पादन में नरमी की बात कही है। इस दौरान रासायन, ऊर्जा, कपड़ा, खाद्य पदार्थ और धातु जैसे क्षेत्रों में कच्चे माल की लागत बढ़ी।

रूस-यूक्रेन युद्ध से बढ़ सकती है वाहनों की कीमतें

डेट्रॉयट । रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच बीएमडब्ल्यू ने जर्मनी स्थित अपने दो कारखानों में उत्पादन रोक दिया है, मर्सिडीज अपने संयंत्रों में काम धीमा कर रही है और फॉक्सवैगन ने उत्पादन रुकने की चेतावनी देने हुए कलपुर्जों के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करने की बात कही है। वैश्विक ऑटो क्षेत्र एक साल से अधिक समय से सेमीकंडक्टर चिप और अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों की कमी से जूझ रहा है, जिससे उत्पादन कम हो गया है, आपूर्ति धीमी हो गई है और कीमतों में इजाफा हुआ है। इस बीच यूक्रेन के खिलाफ रूस द्वारा छेड़े गए युद्ध से हालात और बिगड़ गए हैं, क्योंकि यूक्रेन से आने वाली बिजली की वायरिंग की अचानक भारी किल्लत हो गई है। व्यवधानों से गाड़ियों की कीमतें अगले साल और भी बढ़ सकती हैं। खरीदार अधिक होने, कलपुर्जों की कमी और युद्ध के कारण नए व्यवधानों से गाड़ियों की कीमतें अगले साल और भी बढ़ सकती हैं। फिलहाल युद्ध के कारण यूरोप में उत्पादन प्रभावित हो रहा है, लेकिन आखिरकार अमेरिका में भी उत्पादन पर इसका असर होगा।

नवरात्र और रमजान में फल हुए महंगे

नई दिल्ली । नवरात्र शुरू होने के अगले ही दिन से रमजान का महीना शुरू हो गया। इन सब वजह से फलों के दाम आसमान में पहुंच गया। केला भी इन दिनों तेवर दिखा रहा है। आम दिनों में यह 30 से 40 रुपए दर्जन मिलता है। इस समय इसका भाव 60 रुपए दर्जन हो गया है। सेब और संतरा जैसे फलों का भाव ही मत पूछिए। सहिबाबाद फल एवं सब्जी मंडी से थोक में एक फल कारोबारी बताते हैं कि नवरात्र शुरू होने से एक दिन पहले से ही फलों के भाव चढ़ गए। नवरात्र शुरू होने की वजह से घर-घर में फलों की मांग बढ़ गई है। जबकि सप्लाई में उतनी वृद्धि नहीं हुई। उनका कहना है कि थोक में जो केला पहले 20 रुपए दर्जन मिल जाता था, वह अभी 40 रुपए दर्जन मिल रहा है। इसलिए मजबूरन दाम बढ़ाना पड़ा है। हां, पतला और छोटा केला हो तो अभी भी यह 40 रुपए दर्जन मिल रहा है। नवरात्र के पहले ही दिन केला 60 रुपए प्रति दर्जन पर चला गया। औसत किस्म का सेब 90 से 120 रुपए किलो तक बिक रहा है। संतरा भी अब महंगा हो गया है। यह बाजार में 70 से 90 रुपए किलो तक बिक रहा है। यदि संतरे का साइज छोटा हो तो यह 40 रुपए किलो भी मिल जाएगा। अंगूर के भाव में भी 20 से 30 रुपए का उछाल आया है। सहिबाबाद मंडी के आढ़े तियों का कहना है` कि महंगाई की वजह माल भाड़ा बढ़ना भी है। उनका कहना है कि पिछले 10 दिनों में ही डीजल का रेट प्रति लीटर 8 रुपए महंगा हो गया है। इससे माल भाड़ा बढ़ गया है।

सीएनजी की कीमत 2.5 रुपए बढ़ी, नई दरें 04 अप्रेल से लागू

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच सोमवार को एक बार फिर सीएनजी की कीमतें भी बढ़ गईं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने दिल्ली में सीएनजी की कीमत में 2.5 रुपए की बढ़ोतरी की है। इसके बाद शहर में इसकी कीमत 64.11 रुपए किलो हो गई है। नई कीमतें सोमवार 04 अप्रेल से लागू हो गई हैं। पिछले करीब एक महीने में इसकी कीमत में सातवीं बार बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली के अलावा नोएडा और गाजियाबाद में भी सीएनजी की कीमत में 2.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इन दोनों शहरों में अब सीएनजी की कीमत प्रति किलो 66.68 रुपए पहुंच गई है जो पहले 64.18 रुपए थी। इस बढ़ोतरी के बाद मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी 71.36 रुपए किलो पहुंच गई है। हरियाणा के गुरुग्राम में अब यह 72.45 रुपए, रिवाड़ी में 74.58 रुपए, करनाल और कैथल में 72.78 रुपए, कानपुर हमीरपुर और फतेहपुर में 75.90 रुपए और अजमेर, पाली तथा राजसमंद में 74.39 रुपए प्रे ति` किलो हो गई है। सरकार ने एक अप्रैल को स्थानीय फील्ड से उत्पादित गैस की कीमत 2.9 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 6.10 अमेरिकी डॉलर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल इकाई कर दी थी। जानकारी के मुताबिक इससे आईजीएल के लिए गैस की की लागत बढ़ गई है। इसकी भरपाई के लिए सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी जरूरी हो गई थी। प्राकृतिक गैस की कीमत हर छह महीने पर बदलती है। इससे पहले अक्टूबर में गैस की कीमत में बढ़ोतरी की गई थी। देश में उत्पादित गैस की कीमत में बढ़ोतरी से रिलायंस और ओएनजीसी जैसी कंपनियों को फायदा होगा। आईजीएल घरेलू फील्ड से प्राकृतिक गैस हासिल करती है और साथ ही आयातित एलएनजी भी खरीदती है। इससे पहले भी एक अप्रैल को भी सीएनजी की कीमत में 80 पैसे प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई थी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के कारण आयात होने वाली एलएनजी की कीमत भी रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है।

इससे आईजीएल के लिए गैस की कीमत बढ़ गई है। इस साल अब तक कीमत में 11 रुपए की बढ़ोतरी की जा चुकी है। इस बीच पेट्रोल और डीजल की कीमत में 22 मार्च के बाद से आज 12वीं बार बढ़ोतरी हुई। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमत में 8.40 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। 22 मार्च को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1000 रुपए पहुंच गई है। हाल में 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत भी 250 रुपए बढ़ गई थी।

इस साल 85 लाख टन पर पहुंच सकता है चीनी निर्यातः इस्मा

नई दिल्ली।

चीनी उद्योग के प्रमुख संगठन भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने सोमवार को कहा कि सितंबर में समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष 2021-22 में भारत का चीनी निर्यात 85 लाख टन तक पहुंच सकता है। इस्मा ने कहा कि देश ने जहां 72 लाख टन चीनी निर्यात का अनुबंध किया है, वहीं इस साल मार्च के अंत तक लगभग 56-57 लाख टन चीनी का निर्यात हुआ है। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। पेराई का काम अभी भी जारी है। मार्च के अंत तक 366 मिलें चल रही थीं, जबकि 152 मिलों ने पेराई बंद कर दी थी। चीनी उत्पादन के ताजा आंकड़े जारी करते हुए इस्मा ने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार कंपनियों के आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक बाजार मौजूदा सत्र में भारत से 85 लाख टन चीनी खरीदने की उम्मीद कर रहा है। इस्मा के अनुसार, चालू विपणन वर्ष 2021-22 के मार्च महीने तक चीनी का उत्पादन 309.87 लाख टन तक पहुंच गया है, जो एक साल पहले की समान अवधि के 278.71 लाख टन से अधिक है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक देश के शीर्ष तीन चीनी उत्पादक राज्य हैं। इस्मा के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन मार्च तक बढ़कर 118.81 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 100.47 लाख टन था।उत्तर प्रदेश में इस साल मार्च तक चीनी का उत्पादन 87.50 लाख टन रहा है, उत्तर प्रदेश में इस साल मार्च तक चीनी का उत्पादन 87.50 लाख टन रहा है, जो एक साल पहले की समान अवधि के 93.71 लाख टन के आंकड़े से कम है।

देश के तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक में चीनी का उत्पादन मार्च तक बढ़कर 57.65 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 42.38 लाख टन था। एथनॉल के मोर्चे पर इस्मा ने कहा कि 416.33 करोड़ लीटर की आपूर्ति के लिए कुल आशय पत्र (एलओआई) के मुकाबले इस साल 27 मार्च तक 131.69 करोड़ लीटर एथनॉल की आपूर्ति की गई है। लीटर एथनॉल की आपूर्ति की गई है। इस्मा ने कहा कि देश ने दिसंबर, 2021 से मार्च, 2022 के बीच वाहन ईंधन में एथनॉल के 9.60 प्रतिशत सम्मिश्रण स्तर हासिल किया है।

टाटा 6 अप्रैल को ला रही नई इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक कार लवर्स को चालू महीने में सरप्राइज करने की तैयारी में है। कार बनाने वाली कंपनी टाटा 6 अप्रैल को अपनी नई इलेक्ट्रिक कार से पर्दा उठाने वाली है। लोगों का कहना है कि यह टाटा नेक्सॉन ईवी का ज्यादा रेंज वाला अपडेटेड वेरिएंट हो सकता है, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि शायद अल्ट्रोज ईवी लॉन्च की तैयारी है। इस बीच मीडिया गलियारों में कुछ नई बातें भी चलने लगी हैं कि आगामी 6 अप्रैल को टाटा मोटर्स अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सिएरा इलेक्ट्रिक को अनवील कर सकती है। हालांकि, अब तक कुछ भी क्लियर नहीं है कि कौन की नई इलेक्ट्रिक कार टाटा लाने वाली है। ऐसे में इन कयासों से अगले हफ्ते ही पर्दा उठ सकेगा। टाटा मोटर्स ने अपनी नई इलेक्ट्रिक कार से जुड़ा 18 सेकेंड का एक टीजर भी जारी किया है। हालांकि, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता है। टाटा मोटर्स इस साल अपनी प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च कर सकती है। टाटा अल्ट्रोज ईवी को साल 2020 के ऑटो एक्स्पो में शोकेस किया गया था। इसके साथ ही टिएगो इलेक्ट्रिक भी आने वाले समय में सड़कों पर दिख सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में लंबे समय से आ रही है कि टाटा की माइक्रो एसयूवी पंच का इलेक्ट्रिक वेरिएंट भी आने वाले समय में लॉन्च किया जा सकता है। इन सबके साथ ही जिस एक कार का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वो टाटा नैनो इलेक्ट्रिक है। हालांकि, इस बारे में कंपनी की तरफ से कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। आपको बता दें कि टाटा मोटर्स ने पिछले साल कहा था कि वह साल 2025 तक भारत में 10 इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी। ऐसे में माना जा रहा है कि इस साल 2-3 नई इलेक्ट्रिक कारें टाटा मोटर्स ला सकती है।

सोनी नई वीडियो गेम सदस्यता सेवा शुरू करने बना रही योजना

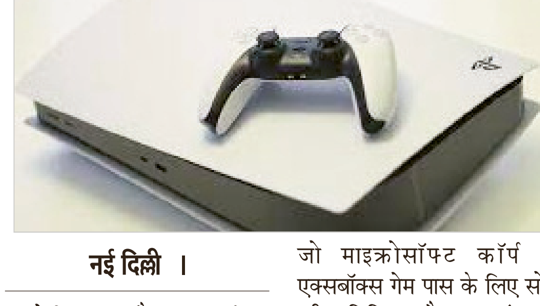

नई दिल्ली ।

सोनी कथित तौर पर स्पार्टाकस नामक एक नई वीडियो गेम सदस्यता सेवा पर काम कर रहा है, जो माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प के एक्सबॉक्स गेम पास के लिए सोनी की प्रतिक्रिया है। यह संभवतः प्लेस्टेशन्स 4 और 5 पर उपलब्ध होगा। सोनी की नई सेवा इसके दो मौजूदा प्रसाद, प्लेस्टेशन नाव और प्लेस्टेशन प्लस को मिलाएगी। उपयोगकर्ता पुराने प्लेस्टेशन युगों से आधुनिक खेलों और क्लासिक्स के कैटलॉग की पेशकश करने वाले कई स्तरों में से चुनने में सक्षम होंगे। वीडियो गेम के लिए एक तरह का नेटफ्लिक्स, जिसके 25 मिलियन से अधिक ग्राहक हैं। सोनी वास्तव में स्पार्टाकस के लिए पूर्व की रिपोर्ट के अनुसार तीन स्तरों की योजना बना रहा है। एंड्रॉइड सेंट्रल की रिपोर्ट के अनुसार, पहला स्तर 10 डॉलर प्रति माह होगा और अनिवार्य रूप से प्लेस्टेशन प्लस की जगह लेगा, जो मुफ्त मासिक गेम और छूट प्रदान करता है। दूसरा स्तर 13 डॉलर प्रति माह होगा और गेम की सूची को बढ़ाएगा। अंत में, 16 डॉलर प्रति माह पर, तीसरा और अंतिम स्तर नए गेम, गेम स्ट्रीमिंग और क्लासिक गेम की लाइब्रेरी का परीक्षण प्रदान करेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सोनी इस नई सेवा को अगले कुछ हफ्तों में परीक्षण में ले जाने का इरादा रखता है, जिसका अर्थ है कि आधिकारिक समाचार आसन्न हो सकता है। दिसंबर 2021 में वापस, एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सोनी संभवतः एक नई गेम सदस्यता सेवा की योजना बना रहा है।

जिसका कोडनेम स्पार्टाकस है।रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी, सोनी प्लेस्टेशन स्टूडियो से किसी भी दिन एक रिलीज की पेशकश करने की योजना नहीं बना रहा है, जो इस नियोजित ओवरहॉल और माइक्रोसॉफ्ट के एक्सबॉक्स गेम पास के बीच सबसे बड़ा अंतर है।

मारुति ड्यूलजेट इंजन के साथ लॉन्च करेगी बजट कारें

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी कंपनी अपनी 2 छोटी यानी बजट कारों को ड्यूलजेट इंजन के साथ लॉन्च करने वाली है। कंपनी मारुति सुजुकी इग्निस और मारुति सुजुकी एक्स-प्रेसो को ड्यूलजेट इंजन के साथ बाजार में उतारेगी। ये दोनों कारें कंपनी की बजट कारें हैं जिनका भारतीय बाजार में अच्छा खासा कस्टमर बेस है। मारुति अपने सेलेरियो, स्वीफट, वेगनआर, बलेनो और डीजायर मॉडल्स में 1.2एल डूअलजेट के12सी इंजन का इस्तेमाल करती है जो आइडल स्टार्ट-स्टॉप टेक्नॉलजी के साथ आते हैं। मारुति एस-प्रेसो में मौजूदा समय में 1.0एल के10बी पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया जाता है जो 68द्धश्च पावर जेनेरेट करता है और कंपनी इसे के10सी डूअलजेट से रिप्लेस करने वाली है। वहीं इग्निस में 1.2एल के12एन इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा। मौजूदा मॉडल में 1.2एल के12एम यूनिट का यूज किया जाता है जो 83बीएचपी पावर जेनेरेट करती है। इन दोनों कारों के इंजन में बदलाव जरूर देखने क मिलेगा लेकिन इन दोनों ही बजट कारों के लुक और डिजाइन लैंग्वेज में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा और न ही इनमें कोई फीचर अपग्रेड किया जाएगा।

कार्लस अल्कराज ने जीता पहला मियामी ओपन खिताब

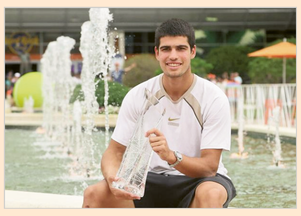

मियामी । स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लस अल्कराज ने रविवार को यहां फाइनल में शानदार जीत के साथ अपना पहला मियामी ओपन (एटीपी मास्टर्स 1000) टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। अल्कराज ने यहां रविवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी नॉर्वे के कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराया और अपना तीसरा टूर स्तरीय खिताब हासिल किया। मियामी ओपन के 37 साल के इतिहास में अल्कराज सबसे कम उम्र के मियामी पुरुष चैम्पियन और ओवरऑल तीसरे सबसे कम उम्र के चैंपियन बने हैं। इस जीत के साथ वह एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 11वें नंबर पर पहुंच जाएंगे। अल्कराज ने मैच के बाद कहा कि मेरे पास यह बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं कि मैं अभी कैसा महसूस कर रहा हूं। यहां मियामी में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीतना बहुत खास है। मेरे पास अविश्वसनीय टीम और परिवार है। मैं इस जीत से बहुत खुश हूं।

सीएसके सबसे नीचे 9वें स्थान पर खिसकी

आईपीएल अंकतालिका में चौथे नंबर पर पहुंची पंजाब किंग्स

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल अंकतालिका) में पंजाब किंग्स टीम अब चौथे नंबर पर पहुंच गयी है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ पंजाब को मिली जीत के बाद यह बदलाव आया है। लीग में इस सत्र में सीएसके की यह लगातार तीसरी हार है। वहीं सीएसके की टीम एक भी मैच नहीं जीतने के कारण सबसे नीचे 9वें स्थान पर खिसक गयी है। पंजाब ने 3 में से 2 मैच जीते हैं , इससे वह कुल 4 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। वहीं राजस्थान रॉयल्स, दूसरे स्थान पर जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और तीसरे स्थान पर आई गुजरात टाइटंस के भी 4-4 अंक हैं। रन रेट के आधार पर यह तीनों ही टीम पंजाब से ऊपर हैं। 5वें स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स, नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स छठे स्थान जबकिरॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 7वें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन इस बार खराब रहा है और वह 8वें स्थान पर है। मुंबई अभी तक एक भी मैच नहीं जीती है। आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स 9वें स्थान पर खिसक गयी है। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद 10वें और अंतिम स्थान पर है। हैदराबाद ने अभी 1 ही मैच खेला है। ऑरेंज कैप की दौड़ में मुंबई इंडियंस के ईशान किशन सबसे ज्यादा 135 रन बनाकर पहले स्थान पर हैं । विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन सबसे ज्यादा 135 रन बनाकर पहले स्थान पर हैं । जबकि पर्पल कैप की दौड़ में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाज उमेश यादव कुल आठ विकेट लेकर सबसे आगे है।

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	नेट रन रेट
राजस्थान रॉयल्स	2	2	0	4	+2.100
कोलकाता नाइटराइडर्स	3	2	1	4	+0.843
गुजरात टाइटंस	2	2	0	4	+0.495
पंजाब किंग्स	3	2	1	4	+0.238
दिल्ली कैपिटल्स	2	1	1	2	+0.065
लखनऊ सुपर जायंट्स	2	1	1	2	-0.011
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलार	2	1	1	2	-0.048
मुंबई इंडियंस	2	0	2	0	-1.029
चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	-1.251
सनराइजर्स हैदराबाद	1	0	1	0	-3.050 ।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले क्रिकेट टेस्ट में बांग्लादेश को 220 रनों से हराया

डरबन ।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले क्रिकेट टेस्ट में मेहमान टीम बांग्लादेश को 220 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच के पांचवें और अंतिम दिन केवल एक घंटे के अंदर ही बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 53 रनों पर ही सिमट गयी। दूसरी पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाज केवल 19 ओवर तक ही खेल पाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 32 रन देकर सात जबकि ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने 21 रन देकर तीन स्पिनर केशव महाराज ने 32 रन देकर सात जबकि ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने 21 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच के अंतिम दिन बांग्लादेश की टीम 274 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी। हालात यहां तक खराब थे कि केवल दो बल्लेबाज नजमुल हुसैन शंटो 26 और तास्किन अहमद 14 ही दो अंकों तक पहुंच पाये। बांग्लादेश की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही ओर उसने 11 रनों के अंदर ही अपने शुरुआती तीन विकेट खो दिये थे। विकेट गिरने का यह सिलसिला अंतिम दिन भी जारी रहा।

अहमदाबाद के साथ ही लखनऊ में भी हो सकते हैं प्लेऑफ मुकाबले

मुम्बई । आईपीएल के 15 वें सत्र के लीग दौर के मुकाबले जारी है। इसके बाद अगले माह प्लेऑफ मैच खेले जाएंगे जो अहमदाबाद में होने हैं। वहीं अब संभावना जतायी जा रही है कि ये मैच दो शहरों में होंगे और इसमें दूसरा नाम लखनऊ का सामने आया है हालांकि इस पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ और अहमदाबाद को प्लेऑफ में मेजबानी का अधिकार मिल सकता है। अगर सब कुछ ठीक चला तो लखनऊ पहले क्वालीफायर और एलिमिनेटर की मेजबानी कर सकता है जबकि अहमदाबाद को दूसरे क्वालीफायर और फाइनल की मेजबानी मिलेगी। वहीं यह भी कहा गया है कि इस साल लखनऊ और अहमदाबाद शामिल हुए हैं। ऐसे में यह अच्छा रहेगा कि प्लेऑफ मैच क्रमशः लखनऊ और अहमदाबाद में आयोजित हों। इसको लेकर अंतिम फैसला आने वाले दिनों में होने वाली बैठक में लिया जाएगा। इसको लेकर अंतिम फैसला आने वाले दिनों में होने वाली बैठक में लिया जाएगा। अभी सभी लीग मैच महाराष्ट्र के पुणे और मुम्बई में हो रहे हैं जिससे खिलाड़ियों को कम यात्राएं करनी पड़ें। इसमें भाग लेने वाली सभी 10 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। इस बार आठ की जगह दस टीमें होने से मुंबई और पुणे में वानखेड़े, सीसीआई-ब्रेबोर्न और डीवाई पाटिल स्टेडियम के अलावा महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के पुणे स्टेडियम में हो रहे हैं।

महिला क्रिकेट टीम पर भड़की अंजुम चोपड़ा, कहा- भारत कभी विश्वकप जीतने की दौड़ में नहीं था

नई दिल्ली ।

पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल में संपन्न महिला विश्व कप में भारत कभी खिताब के दावेदारों में शामिल नहीं था और भविष्य में वह चाहती हैं कि टीम खराब फैसले करने की विरासत को पीछे छोड़कर आगे बढ़े। न्यूजीलैंड में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की इस शीर्ष प्रतियोगिता में भारत उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया और उसके अभियान का अंत ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के साथ हो गया। अंजुम ने कहा कि समय आ गया है कि महिला क्रिकेट खराब फैसले करने की विरासत से उबरे और भविष्य में वे जो करना चाहते हैं तथा उसे कैसे करना चाहते हैं इसे लेकर ईमानदार रहें। अन्यथा हम कभी वहां तक नहीं पहुंच पाएंगे। पांच साल पहले पिछले विश्व कप में उप विजेता बनने के बाद भारत से काफी उम्मीदें थी लेकिन कमेंटेटर के रूप में टूर्नामेंट पर करीबी नजर रखने वाली अंजुम को लगता है कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से पहले के प्रदर्शन को देखते हुए मिताली राज की अगुआई वाली टीम कभी ट्रॉफी जीतने की दावेदार नहीं लग रही थी। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र टीम देश था जिसे विश्व कप से पहले मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने का मौका मिला लेकिन इसके बावजूद टीम ना तो हालात से पूरी तरह सामंजस्य बैठा पाई और ना ही अपना संयोजन तय कर पाई। मैं यह नहीं कहूंगी कि भारत खराब खेला। उन्होंने कुछ साधारण मुकाबले खेले जहां वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। विश्व कप से पहले न्यूजीलैड के खिलाफ खिलाड़ियों ने जिस तरह की तैयारी और कौशल दिखाया उसे देखकर मैं पाकिस्तान के खिलाफ उनके रवैये को देखकर हैरान थी (भारत हालांकि मैच जीत गया), उन्होंने जिस तरह की बल्लेबाजी की। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ फैसला (पहले गेंदबाजी करने का) हैरानी भरा था। किसी देश में काफी पहले आ जाना, छह मैच खेलना और अगर इसके बावजूद आप हालात से अंजान हो तो यह कहना अनुचित होगा कि भारत ने खराब प्रदर्शन किया, मैं कहूंगी कि वह मुकाबले में ही नहीं थे। भारत चार 'सेना% देशों इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया सभी से हार गया और सिर्फ पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और पदार्पण कर रहे बांग्लादेश को ही हरा पाया। अंजुम ने कहा कि इस प्रदर्शन की जिम्मेदारी सभी को लेनी होगी। सिर्फ खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेने की जरूरत नहीं है, सहयोगी स्टाफ सहित प्रत्येक को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। किसी एक को बलि का बकरा नहीं बनाया जाना चाहिए। खराब दिन होते हैं लेकिन भारत के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं थी। खिलाड़ी और प्रसारणकर्ता के रूप में मैंने 1997 से 2022 तक सभी फाइनल और प्रत्येक सेमीफाइनल देखा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वे खिताब जीत सकते हैं लेकिन उनके सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीद की थी।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी की महिला टीम में हीली सहित चार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टीम में एकदिवसीय महिला विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम की चार सदस्यों को शामिल किया गया है पर इसमें भारतीय टीम की किसी भी खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। = ऑस्ट्रेलिया की चार खिलाड़ियों को विश्व कप में प्रदर्शन के आधार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की (मोस्ट वैल्यूएबल टीम) में जगह मिली है। आईसीसी ने सोमवार को अपनी इस टीम की घोषणा की। इसमें विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी एलिसा हीली भी शामिल है। हीली ने खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 170 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग को इस टीम का कप्तान बनाया गया है और इसमें राचेल हेन्स और बेथ मूनी भी शामिल की गयी हैं। हीली ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 509 जबकि हेन्स ने 497 रन बनाए थे। आईसीसी की टीम इस प्रकार है : मेग लैनिंग (कप्तान), एलिसा हीली (विकेटकीपर), राचेल हेन्स, बेथ मूनी (सभी आस्ट्रेलिया); लौरा वोल्वार्ट, मैरिज़ान कैप, ।

राहुल बन सकते हैं अच्छे फिनिशर : गावस्कर

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि राहुल अपनी टीम के लिए अच्छे फिनिशर भी बने सकते हैं क्योंकि उनमें उसके लिए सभी जरुरी योग्यताएं हैं। गावस्कर ने कहा कि राहुल किसी भी टीम का अहम हिस्सा होते हैं। वह पारी शुरु करते हुए 20 ओवर तक बल्लेबाजी करते हैं और इस दौरान अपनी टीम की रन गति का भी ध्यान रखते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि उनमें फिनिशर बनने की सभी क्षमताएं हैं। वह ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो केवल पारी की शुरुआत कर सकते हैं और टीम को अच्छी शुरुआत दिला सकते है। उनके पास पारी को समाप्त करने की भी योग्यता है। उनके पास अच्छे शॉट हैं।

हमें अच्छी वापसी करनी होगी : जडेजा

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम का प्रदर्शन इस बार अच्छा नहीं रहा है और वह अभी तक अपने तीनों ही मुकाबले हारी है हालांकि टीम के कप्तान रविंद्र जडेजा अब भी निराश नहीं हैं। जडेजा ने कहा है कि हमारी टीम अब भी दमदार वापसी कर सकती है। पंजाब को अपने तीसरे मैच में पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। जडेजा ने कहा , 'हमने पावरप्ले में काफी विकेट खो दिए थे और हम लय हासिल नहीं कर सके। इसलिए अब हमें अगले मैच में दमदार वापसी करनी होगी।' उन्होंने कहा कि टीम के पास युवा रुतुराज गायकवाड़ जैसे खिलाड़ी हैं पर वह रन नहीं बना पा रहे हैं। इसलिए उनका मनोबल बढ़ाना होगा। इसी प्रकार युवा शिवम दुबे ने भी अब तब अच्छा प्रदर्शन किया है ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जूनियर विश्व कप में वेल्स को हराया

पोचेफ्स्ट्रूम ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप में वेल्स को 5-1 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की है।सलीमा टेटे की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने पूल के शुरुआती मैच में वेल्स को 5-1 से शिकस्त दी। भारतीय टीम के लिए लालरेमसियामी ने चौथे, लालरिंडीकी ने 32वें और मुमताज खान ने 41वें मिनट में मैदानी गोल किये। वहीं लालरिंडीकी ने 57वें और दीपिका ने 58वें मिनट में 2 पेनल्टी कॉर्नरों को गोल में बदल कर अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया जबकि दूसरी ओर वेल्स की तरफ से एकमात्र गोल मिली होम ने 26वें मिनट में किया। मैच में भारतीय टीम ने आक्रामक रुख अपनाते हुए हमले शुरु किये , इससे उसे शुरू में ही पेनल्टी कॉर्नर मिल गया पर भारतीय टीम उसे गोल में नहीं बदल पायी। वेल्स ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल के जरिए स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया पर तीसरे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में भारत ने लालरिंडीकी के मैदानी गोल से स्कोर फिर 2-1 कर दिया। भारतीयों ने दबाव बनाते हुए 41वें मिनट में मुमताज के गोल से 3-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद से भारतीयों टीम की रक्षापंक्ति ने वेल्स के हमलों को नाकाम कर दिया जबकि भारतीय टीम के हमले जारी रहे। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये पर भारतीय खिलाड़ी इन अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये।

मैच समाप्त होने से 4 मिनट पहले ही दीपिका को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे भारतीय टीम का स्कोर 4-1 हो गया। भारतीय टीम अब पूल डी के दूसरे मैच में जर्मनी से खेलेगी।

टेलर ने संन्यास लिया

हैमिल्टन ।

न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रोस टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। टेलर ने नीदरलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। इस मैच में इस बल्लेबाज ने हालांकि 14 रन ही बनाये पर दर्शकों ने पेवेलियन लौटते समय खड़े होकर इस स्टार खिलाड़ी का अभिवादन किया। टेलर का यह न्यूजीलैंड के लिये 450वां और अंतिम मैच था। इसी के साथ ही इस खिलाड़ी का 16 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया। इस बल्लेबाज ने इस साल की शुरूआत में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला था पर वह अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क पर ही खेल करियर का समापन करना चाहते थे। इस अंतिम मैच में राष्ट्रगान के दौरान टेलर के बच्चे मैकेंजी, जोंटी और एडिलेड उनके साथ ही नजर आये। जब वह मैदान पर उतरे और वापस लौटे तो नीदरलैंड के खिलाड़ी उनके सम्मान में दोनों तरफ खड़े नजर आये। टेलर ने इस अवसर पर कहा, 'मैं हमेशा हालातों के अनुसार और चेहरे पर मुस्कान लेकर खेला। मैंने पूरे गर्व और सम्मान के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। मैं शुरू से देश के लिए खेलना चाहता था। गौरतलब है कि टेलर ने साल 2006 में न्यूजीलैंड के लिए अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

केकेआर से जुड़े कमिंस , मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच खेलेंगे

मुम्बई । तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गये हैं। कमिंस के शामिल होने से केकेआर की गेंदबाजी और मजबूत हुई है। कमिंस की क्वारंटीन अवधि भी पूरी हो गयी है और अब वह 6 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होने वाले मैच में खेलेंगे। अभी केकेआर टीम अपने 3 में से दो मैच जीतकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। कमिंस की वापसी से मुख्य कोच ब्रैंडन मैक्कलुम काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि कमिंस ऐसे खिलाड़ी हैं, जो माहौल के अनुरुप ढ़ल जाते हैं। वह एक अच्छे नेतृत्वकर्ता भी हैं। ऐसे उनके रहने से कप्तान श्रेयस अय्यर को भी रणनीति बनाने में सहायता मिलेगी। कमिंस की वापसी से केकेआर के लिए अपनी अंतिम ग्यारह का चयन कठिन हो सकता है। इसका कारण है कि गैरहाजिरी में तेज गेंदबाज टिम साउदी ने केकेआर की ओर से शानदार गेंदबाजी की है। इसपर कोच मैक्कुलम ने कहा, हमारे लिए अब चयन आसान नहीं रहेगा क्योंकि अब अंतिम ग्यारह के लिए हमारे पास काफी खिलाड़ी होंगे, मेरी नजर में यह समस्या होना टीम के लिए अच्छा रहेगा। कमिंस ने इस साल प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एशेज सीरीज ओर उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब वह इस प्रदर्शन को आईपीएल में भी दोहराना चाहेंगे। आईपीएल के 37 मुकाबलों में कमिंस ने 38 विकेट लिए हैं। वो पावरप्ले के साथ डेथ ओवर में भी अच्छी गेंदबाजी करते हैं।

फीडे विश्व शतरंज रैंकिंग : अर्जुन एरिगासी का शानदार प्रदर्शन

लोजन ,स्विट्जरलैंड ।

विश्व शतरंज संघ के द्वारा जारी अप्रैल फीडे विश्व शतरंज रैंकिंग में ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी सबसे बेहतर भारतीय खिलाड़ी के तौर पर उभर कर सामने आए है । भारत के 18 वर्षीय इस युवा खिलाड़ी ने अपने खेल जीवन की सबसे बेहतर 2675 रेटिंग हासिल करते हुए ओवरऑल विश्व रैंकिंग में 62वां , जूनियर विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है ।अगर आने वालों दिनो में अर्जुन अपनी रेटिंग में 25 अंक और जोड़ सके तो वह भारतीय शतरंज इतिहास के सबसे कम उम्र में 2700 अंक छूने वाले खिलाड़ी बन जाएँगे ।

फिलहाल भारतीय खिलाड़ियों में 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद अभी भी सबसे आगे है वह 2751 अंको के साथ विश्व रैंकिंग में 14वे ,2723 अंको के साथ विदित गुजराती 24वे और 2705 अंको के साथ पेंटाला हरीकृष्णा 32वे स्थान पर है । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में एसएल नारायनन 2662 अंको के साथ 72वे ,2650 अंको के साथ कृष्णन शशिकिरण 95वे तो 2648 अंको के साथ निहाल सरीन 97वे स्थान पर है । महिला खिलाड़ियो में कोनेरु हम्पी 2586 अंको के साथ विश्व में तीसरे तो 2517 अंको के विश्व रैंकिंग में पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन 2864 अंको के साथ तो महिला वर्ग में चीन की हाऊ यीफान 2650 अंको के साथ लगातार शीर्ष पायदान पर बने हुए है ।

लंदन में बोट रेस जीतने के बाद जश्न मनाती हुई महिला टीम

लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खूबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा।

बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकार चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है।

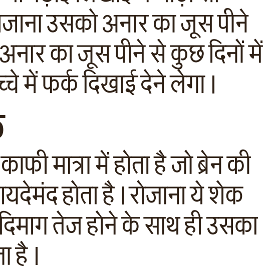

अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी ,सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरोज आफताब बनीं ग्रैमी अवार्ड जीतने वाली पहली पाक महिला, बराक ओबामा भी हैं उनके प्रशंसक

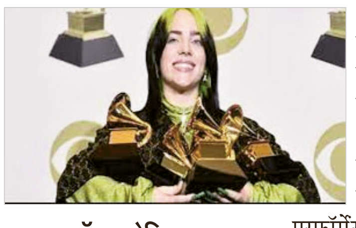

लॉस् एजेलिस ।

म्यूजिक इंडस्ट्री के ऑस्कर माने जाने वाले ग्रैमी अवॉर्ड्स की विनर लिस्ट सामने आ चुकी है। बड़े-बड़े दिग्गजों के नामों के बीच पाकिस्तान की गायक अरोज आफताब भी छाई हुई हैं। क्योंकि वह उस देश की पहली ऐसी महिला बन गई हैं, जिन्होंने ग्रैमी अवॉर्ड जीता है। उन्हें मोहब्बत सॉन्ग में बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस का खिताब दिया गया है। इसकी जानकारी खुद ग्रैमी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर दी है। ट्विट कर बताया है आरजू आफताब ने ग्रैमी 2022 में मोहब्बत के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस का टाइटल जीता है। आफताब पाकिस्तान की पहली महिला हैं, जिन्होंने ग्रैमी जीता है और वह बेस्ट न्यू आर्टिस्ट के लिए भी नॉमिनेटेड थीं। जानकारी के मुताबिक आफताब साल 2005 में अमेरिका गई थीं। उस वक्त वह 9 साल की थीं। वहां उन्होंने बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक में संगीत की पढ़ाई की और म्यूजिक प्रोडक्शन और इंजीनियरिंग और जैज कंपोजिशन में डिग्री हासिल की। इसके 5 साल बाद यानी 2010 में वह न्यूयॉर्क चली गईं। यहां उन्होंने कम्पोजर के तौर पर काम शुरू किया। इसके बाद सन 2014 में उन्होंने अपना पहला म्यूजिक एलबम बर्ड अंडर वॉटर रिलीज हुआ था और सॉन्ग मोहब्बत ने पूरे अमेरिका में तहलका मचा दिया था। इतना ही नहीं, इसे इतना पसंद किया गया था कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा जब अपने समर वेकेशन पर गए थे तो एंटरटेनमेंट के लिए अपनी प्लेलिस्ट में इस गाने को शामिल तक कर लिया था।

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति तक पद पर बने रहेंगे इमरान : राष्ट्रपति अल्वी

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने सोमवार को एक अधिसूचना जारी कर कहा कि इमरान खान कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक मुल्क के प्रधानमंत्री बने रहेंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि मौजूदा प्रधानमंत्री, कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। इससे पहले, कैबिनेट सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा था कि खान ''तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नहीं रहे।'' हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 94 के तहत राष्ट्रपति ''निवर्तमान प्रधानमंत्री को तब तक पद पर बने रहने के लिये कह सकते हैं, जब तक कि उनका उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री का पदभार संभाल नहीं लेता।'' राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, ''इमरान अहमद खान नियाजी पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 224 ए (4) के तहत कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक देश के प्रधानमंत्री बने रहेंगे।'' पाकिस्तान के राष्ट्रपति अल्वी ने देश के प्रधानमंत्री इमरान खान की सिफारिश पर नेशनल असेंबली (एनए) को भंग कर दिया था। इससे कुछ ही देर पहले नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष कासिम सूरी ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। खान ने संसद के निचले सदन, 342 सदस्यीय नेशनल असेंबली में प्रभावी तौर पर बहुमत खो दिया था। देश के प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल ने पाकिस्तान की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा था कि नेशनल असेंबली को भंग करने के संबंध में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति द्वारा दिए गए ।

सभी आदेश और उठाए गए सभी कदम अदालत के आदेश पर निर्भर होंगे। न्यायाधीश बंदियाल उच्चतम न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने सप्ताहांत के बावजूद प्रारंभिक सुनवाई की तथा राष्ट्रपति अल्वी और नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष सूरी सहित सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए।

यक्रेन मे हमले की भयावह तस्वीर सामने आई, एक साथ दिखे 21 लोगों के शव

कीव ।

रूस द्वारा यूक्रेन पर हो रह लगातार हमले की बीच एक बेहद भयावह तस्वीर सामने आई। दरअसल, यूक्रेन के शहर बुचा में दर्जनों शव एक साथ देखने को मिले जिससे वहां के निवासियों के पैरो तले जमीन खिसक गई। वही यूक्रेन के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र से लौटने से पहले सेना ने युद्ध अपराधों को अंजाम दिया है और वह अपने पीछे एक भयावह मंजर छोड़ गए हैं। यक्रेन के शहर बुचा से इन शवों की तस्वीरें सामने आने के बाद यूरोपीय नेताओं ने अत्याचार की निंदा की और रूस के खिलाफ सख्त प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया। जर्मनी की रक्षा मंत्री क्रिसटीन लैम्ब्रेक्ट ने यूरोपीय संघ से रूसी गैस पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का आग्रह किया है। जानकारी के मुतो बिक राजधानी के उत्तर-पश्चिम में बुचा के आसपास विभिन्न स्थानों पर कम से कम 21 लोगों के शव देखे जिसमें से नौ लोगों के शव एक-साथ देखे, सभी के कपड़ों से उनके असैन्य नागरिक होने का पता चल रहा था। शव ऐसी जगह पड़े थे, जिसके बारे में निवासियों का कहना है कि रूसी सैनिकों ने इसे अपना अड्डा बना रखा था। इनमें से कम से कम दो के हाथ बंधे थे, ।

एक शव पर सिर में गोली लगने और दूसरे के पांव में गोली लगने के निशान थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने हत्याओं के लिए पूरी तरह से रूसी सैनिकों को जिम्मेदार ठहराया है और राष्ट्रपति वोलोदोमिर जेलेंस्की ने इसे नरसंहार का सबूत बताया। वहीं रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि मारे जाने से उधर दूसरी तरफ, रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शवों की तस्वीरें और वीडियो का प्रबंध कीव शासन ने पश्चिमी मीडिया के लिए किया है।

शंघाई में कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए चीन ने सेना भेजी

बीजिंग।

शंघाई में कोरोना वायरस संक्रमण पर लगाम लगाने में संघर्ष कर रहे चीन ने देशभर से 10,000 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों को अपने सबसे बड़े शहर रवाना किया। इनमें 2,000 से अधिक सैन्य चिकित्साकर्मी भी शामिल हैं। शंघाई में दो चरण वाले लॉकडाउन के सोमवार को दूसरे सप्ताह में प्रवेश करने के बीच शहर के ढाई करोड़ बाशिंदों की सामूहिक कोविड-19 जांच जारी है। कर्मचारियों को पृथक रखकर भले ही कई कारखाने और वित्तीय कंपनियां अपना कामकाज जारी रखने में सफल रही हैं, लेकिन लॉकडाउन की अवधि बढ़ने से चीन की आर्थिक राजधानी एवं प्रमुख नौवहन व विनिर्माण केंद्र पर पड़ने वाले संभावित वित्तीय प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। सार्स-कोव-2 वायरस का बेहद संक्रामक स्वरूप 'ओमीक्रोन बीए-2' अपनी जीरो-कोविड स्थिति बरकरार रखने की चीन की रणनीति की परीक्षा ले रहा है। चीन की रणनीति का मकसद जांच में संक्रमण की पुष्टि के बाद सभी संक्रमितों को पृथक करके वायरस के प्रसार पर लगाम लगाना है, फिर चाहे उनमें लक्षण उभरे हों या नहीं।

शंघाई ने एक प्रदर्शनी हॉल और अन्य प्रतिष्ठानों को बड़े पृथकवास केंद्रों में तब्दील कर दिया है, जहां अस्थाई रूप से विभाजित बेड पर हल्के या बिना लक्षण वाले संक्रमितों को रखा जा रहा है। चीन में बीते 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 13,000 से अधिक नये मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से लगभग 12,000 संक्रमित एसिम्टोमैटिक यानी बिना लक्षण वाले हैं। 'चाइना डेली' के मुताबिक, सोमवार तड़के पड़ोसी जियांग्सू और झेजियांग से लगभग 15,000 चिकित्साकर्मियों को बसों के जरिये शंघाई रवाना किया गया।

ग्रैमी अवॉर्ड्स 2022 में बेटे के साथ पहुंचे ख्यात संगीतकार एआर रहमान

लॉस् एंजेल्स । हाल ही में संपन्न 64वें ग्रैमी अवाड्र्स समारोह खूब धमाकेदार रहा, जिसमें ओलिविया रोड्रिगो ने बेस्ट न्यू आर्टिस्ट का खिताब जीता, तो ब्रूनो मार्स के गाने लीव द डोर ओपेन ने बेस्ट सॉन्ग ऑफ द ईयर का ग्रैमी अपने नाम किया। ग्रैमी अवॉड्र्स 2022 पूरी तरह से ग्लैमरस इवेंट रहा, इसमें लेडी गागा से लेकर बीटीएस ग्रुप ने स्टाइलिश एंट्री मारी। म्यूजिक कंपोजर और सिंगर एआर रहमान भी ग्रैमी अवॉड्र्स 2022 में शामिल हुए। उनके साथ बेटे एआर आमीन भी थे। पिता और बेटे की ग्रैमी अवॉड्र्स से एक तस्वीर सामने आई है, जो सोशल मीडिया पर छाई हुई है। इस तस्वीर को एआर रहमान ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। ग्रैमी अवॉड्र्स में एआर रहमान को देख फैंस खुशी से पागल हो गए और ट्विटर पर रिऐक्ट कर रहे हैं। फैंस ने एआर रहमान ने गुजारिश की कि वह बीटीएस के साथ मिलकर कुछ बनाएं। उल्लेखनीय है कि एआर रहमान और म्यूजिक इंडस्ट्री के ऑस्कर कहे जाने वाले ग्रैमी की तो एआर रहमान ने 2009 में फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर में गाने जय हो के लिए दो ग्रैमी अवॉर्ड जीते थे। एआर रहमान 6 बार नेशनल फिल्म और 15 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत चुके हैं। उन्हें पद्मश्री समेत कई और अवॉड्र्स से सम्मानित किया जा चुका है।

इमरान खान के संसद भंग कर आम चुनाव कराने के फैसले पर विपक्षी दल भड़के

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में सियासी घमासान के बीच कार्यवाहक प्रधानमंत्री इमरान खान के देश में संसद को भंग करके आम चुनाव कराने के फैसले पर देश के विपक्षी दल भड़क उठे हैं और सुप्रीम कोर्ट से न्याय की मांग की है। पाकिस्तान की प्रमुख विपक्षी पार्टी पीएमएल एन के नेता शाहबाज शरीफ ने कहा कि इमरान खान देश में नागरिक मार्शल लॉ लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इमरान खान का कदम संविधान विरोधी है। वहीं बिलावल भुट्टो ने कहा कि इमरान खान ने संविधान का गला घोंटा है और साजिश के तहत कानून को तोड़ा गया। बिलावल भुट्टो ने कहा, इमरान खान ने पाकिस्तान के साथ साजिश की है। इमरान खान ने डिप्टी स्पीकर के साथ मिलकर संविधान को तोड़ा है। हमारा सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध है कि आपके फैसले मुल्क का इतिहास लिखा जाएगा। आप यह साबित करिए कि संविधान कागज का टुकड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि इमरान खान की सत्ता खत्म होने से देश में जश्न का माहौल है। बिलावल ने कहा कि इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई के सदस्यों ने पाकिस्तान के संविधान को चुनौती दी है। पाकिस्तान के विपक्षी दलों का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब देश के सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान के खिलाफ नेशनल असेंबली में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज किए जाने और खान की सिफारिश पर सदन भंग करने को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी दिए जाने के मामले पर सोमवार को सुनवाई होगी।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने देश में मौजूदा राजनीतिक हालात पर स्वतः संज्ञान लिया था। देश के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इमरान खान की सिफारिश पर नेशनल असेंबली (एनए) को भंग कर दिया है । इस बीच पाकिस्तान के पूर्व सूचना एवं प्रसारण मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने कहा है कि संघीय मंत्रिमंडल को भंग कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर की सड़क पर मुस्लिमों ने पढ़ी नमाज

न्यूयॉर्क । अमेरिका के सबसे व्यस्तम शहर न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर की सड़क पर पहली बार मुसलमानों ने तरावीह की नमाज अदा की है। अपनी तरह की इस दुर्लभ घटना में हजारों की तादाद में मुस्लिम इकट्ठा हुए और शनिवार को रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने पर तरावीह की नमाज पढ़ी। इस बीच मुस्लिमों के सड़क पर नमाज पढ़ने से सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है। कई लोग जहां टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने का समर्थन कर रहे हैं, वहीं बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग हैं जो इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं। गल्फ टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब मुस्लिमों ने टाइम्स स्क्वायर जैसी चर्चित जगह पर नमाज पढ़ी है। इस कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि अमेरिका में रह रहे मुस्लिम चाहते थे कि रमजान को न्यूयॉर्क सिटी के इस बहुचर्चित स्थान पर मनाया जाए और दूसरों को यह बताया जाए कि इस्लाम एक शांतिपूर्ण धर्म है। आयोजकों ने कहा कि इस्लाम को लेकर पूरी दुनिया में कई गलत धारणाएं हैं। आयोजकों ने कहा, हम सभी लोगों को अपने धर्म के बारे में बताना चाहते थे जो इसके बारे में नहीं जानते थे। इस्लाम शांति का धर्म है। मुस्लिमों का पवित्र रमजान महीना शनिवार को शुरू हुआ है। चांद दिखाई देने के बाद रमजान का ऐलान किया गया था। इस बीच टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने को लेकर सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है। यह टॉप ट्रेंड कर रहा है। इस आयोजन की कई लोग कड़ी आलोचना भी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय यूएई निवासी हसन सजवानी लिखते हैं, सड़क पर नमाज पढ़ने से लोगों को असुविधा होती है। अकेले न्यूयॉर्क में 270 से ज्यादा मस्जिदें हैं और नमाज पढ़ने के लिए ज्यादा अच्छा स्थान हैं। अपने धर्म का प्रदर्शन करने के लिए लोगों का रास्ता रोकने की कोई जरूरत नहीं है। यह वह नहीं है जो इस्लाम हमें सीखाता है। खलीफा नामक यूजर ने भी लिखा कि मैं एक मुसलमान हूं लेकिन टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने का समर्थन नहीं करता हूं। यह गलत संदेश दे सकता है कि इस्लाम आक्रमण या घुसपैठ करने वाला है। इसलिए मस्जिदों में ही नमाज पढ़ें।

हंगरी के पीएम विक्टर ओर्बन ने आम चुनाव में किया जीत का दावा

बुडापेस्ट । हंगरी के राष्ट्रवादी प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने रविवार को हुए आम चुनाव में जीत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें चौथे कार्यकाल के लिए जनादेश मिल गया है। हालांकि, मतगणना अब भी जारी है। अभी तक प्रधानमंत्री की दक्षिणपंथी पार्टी को मजबूत बढ़त नजर आ रही है। विक्टर ओर्बन ने बुडापेस्ट में चुनाव की रात पार्टी के अधिकारियों तथा समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनकी पार्टी के लिए एक बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बड़ा समर्थक माना जाता है। ओर्बन ने कहा हमारी इतनी बड़ी जीत हुई है कि आप उसे दूर स्थित चांद से देख सकते हैं और निश्चित तौर पर आप इसे ब्रसेल्स से भी देख सकते हैं। ओर्बन की अकसर यूरोपीय संघ द्वारा लोकतंत्र को कमजोर करने और कथित भ्रष्टाचार कृत्यों पर गौर नहीं करने के लिए आलोचना की जाती है। वोटों की गिनती अब भी की जा रही है, हालांकि ओर्बन की 'फ़ाइड्ज़ पार्टी' को चुनाव में बहुमत मिलता नजर आ रहा है। राष्ट्रीय निर्वाचन कार्यालय के अनुसार अभी तक करीब 91 प्रतिशत मतों की गिनती हो चुकी है, जिनमें से ओर्बन की 'फ़ाइड्ज़ पार्टी' नीत गठबंधन को 53 प्रतिशत, जबकि यूरोपीय समर्थक विपक्षी गठबंधन 'यूनाइटेड फॉर हंगरी' को 34 प्रतिशत से अधिक वोट मिले हैं।

यूक्रेनियों पर रूसी सैनिकों के कथित अत्याचार की जांच करेगा यूक्रेन

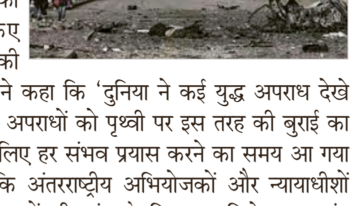

कीव । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय जांचकर्ताओं की मदद से रूसी सैनिकों द्वारा नागरिकों पर किए गये कथित अत्याचार की जांच करेगा। जेलेंस्की ने कहा कि 'दुनिया ने कई युद्ध अपराध देखे हैं'। रूसी सेना के युद्ध अपराधों को पृथ्वी पर इस तरह की बुराई का अंतिम मंजर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने का समय आ गया है। जेलेंस्की ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अभियोजकों और न्यायाधीशों की मदद से रूसी अत्याचारों की जांच के लिए एक विशेष न्याय तंत्र बनाया जाएगा। गौरतलब है कि रूस के अपने सैनिकों को पीछे हटाने के बाद यूक्रेन की राजधानी कीव की बाहरी सीमा पर कई शव बरामद हुए हैं, जिनमें से कुछ के हाथ पीछे बंधे थे। यक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि कीव क्षेत्र के कस्बों में 410 शव मिले हैं। वैश्विक नेताओं ने भी इन कथित हमलों की निंदा की है। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए इसे यूक्रेन के अधिकारियों द्वारा 'उकसावे की' कार्रवाई बताया है इसे यूक्रेन के अधिकारियों द्वारा 'उकसावे की' कार्रवाई बताया है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस मामले पर चर्चा के लिए बैठक बुलाने की अपील की है।

मौजूदा तंत्र के जरिए भारत के साथ सीमा से जुड़े मामले निपटाए जाएंगे : खड़का

काठमांडू ।

हाल ही में भारत यात्रा पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का ने संवाददाताओं से कहा द्विपक्षीय वार्ता और विचारों का आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच सहयोगात्मक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काफी फलदायी रहा। खड़का ने बताया प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत नेपाल के विकास के लिए हमेशा सोचता है और उन्होंने काठमांडू को उसके प्राथमिकी वाले क्षेत्रों में नई दिल्ली से दी जाने वाली सहायता जारी रखने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा वार्ता के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने सीमा संबंधी मामलों पर चर्चा की और दोनों नेताओं ने इस प्रकार के मामलों से मौजूदा तंत्र, वार्ता एवं कूटनीति के जरिए निपटने पर सहमति जताई। देउबा ने मोदी से एक द्विपक्षीय तंत्र की स्थापना के जरिए सीमा संबंधी मामलों को सुलझाने की शनिवार को सार्वजनिक रूप से अपील की थी। ऐसे में खड़का का यह बयान महत्व रखता है। कुछ घंटे बाद विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि सामान्य समझ यह थी कि मुद्दे का समाधान बातचीत के माध्यम से जिम्मेदार तरीके से करने की जरूरत है और इसके राजनीतिकरण से बचना चाहिए। श्रृंगला ने कहा इस मुद्दे पर संक्षेप में चर्चा हुई। एक सामान्य समझ थी कि दोनों पक्षों को हमारे करीबी और मैत्रीपूर्ण संबंधों की भावना के साथ चर्चा और बातचीत के माध्यम से इसका जिम्मेदार तरीके से समाधान करने की जरूरत है और ऐसे मुद्दों के राजनीतिकरण से बचना चाहिए। सीमा मुद्दे के राजनीतिकरण से बचने की आवश्यकता पर श्रृंगला की टिप्पणी महत्व रखती है, क्योंकि 2020 में नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने बढ़ते घरेलू दबाव और उनके नेतृत्व को उत्पन्न चुनौती से मुकाबले के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल करने का प्रयास किया था। नेपाल द्वारा 2020 में एक नया राजनीतिक मानचित्र प्रकाशित किए जाने के बाद भारत और नेपाल के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था, जिसमें तीन भारतीय क्षेत्रों- लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाया गया था।

खड़का ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, व्यापार और सीमा पार पारेषण लाइन के क्षेत्र में सहयोग, रेलवे लाइन निर्माण के माध्यम से सीमा पार संपर्क बढ़ाने, एकीकृत जांच चौकी के निर्माण और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसे मामलों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। खड़का ने कहा प्रधानमंत्री देउबा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने आपसी हितों को बढ़ावा देने एवं द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

हांगकांग की नेता कैरी लाम दूसरे कार्यकाल के लिए नहीं लड़ेंगी चुनाव

हांगकांग । हांगकांग की नेता कैरी लाम ने सोमवार को कहा कि वह दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी। अब अगले नेता का चुनाव मई में किया जाएगा। लाम के कार्यकाल में ही 2019 में सरकार के खिलाफ व्यापक स्तर पर प्रदर्शन हुए थे और उन्होंने देश में सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था, जिससे विरोध के स्वर को दबा दिया गया। लाम ने कहा कि मैं इस साल 30 जून को मुख्य कार्यकारी के तौर पर अपने पांच साल का कार्यकाल पूरा करूंगी और मैं अपनी 42 वर्षों की जन सेवा को भी विराम दूंगी। कई महीनों से ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि लाम दूसरे कार्यकाल के लिए खड़ी होंगी या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले साल बीजिंग में केंद्रीय सरकार को उन्होंने अपना निर्णय बता दिया था और इस फैसले का सम्मान किया गया। हांगकांग में 2019 में व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन हुए और प्रदर्शनकारियों ने लाम के इस्तीफा देने की भी मांग की। बीजिंग ने इस पर 2020 में सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया जिससे अर्द्धस्वायत्त चीनी शहर में असंतोष दबा दिया गया। हांगकांग की मीडिया ने कहा कि सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले जॉन ली अगले नेता पद की दौड़ में शामिल हो सकते हैं। मुख्य सचिव ली प्रदर्शनों के दौरान शहर की सुरक्षा के प्रमुख थे। हांगकांग के नेता का चुनाव सांसदों, विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों और पेशेवर तथा बीजिंग समर्थक प्रतिनिधियों की एक समिति द्वारा किया जाता है। प्रदर्शनकारियों की 2019 में एक मांग शहर के मुख्य कार्यकारी का सीधा चुनाव कराने की भी थी। शहर में पहले 27 मार्च को मुख्य कार्यकारी के चुनाव होने थे लेकिन कोरोना वायरस के कारण बिगड़े हालात के मद्देनजर चुनाव आठ मई तक के लिए स्थगित कर दिए गए।

श्रीलंका में नए मंत्रिमंडल का होगा गठन, प्रधानमंत्री बने रहेंगे महिंदा राजपक्षे

हिंसा और राजनीतिक अटकलों के बीच 26 मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

कोलंबो ।

श्रीलंका में हिंसा और राजनीतिक अटकलों के बीच 26 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है जिसके बाद एक नया मंत्रिमंडल गठित किया जाएगा। वहीं प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे अपने पद पर बने रहेंगे। गौरतलब है कि इमरजेंसी के बीच रविवार देर रात को श्रीलंका की पूरी कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया है। इसकी जानकारी शिक्षा मंत्री दिनेश गुणवर्धने ने देते हुए बताया कि राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को छोड़कर सभी 26 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। गुणावर्धन ने आगे कहा कि सभी मंत्रियों ने अपने इस्तीफे के पत्र सौंपे ताकि राष्ट्रपति एक नया मंत्रिमंडल बना सकें। 2.2 करोड़ की आबादी वाले दक्षिण एशियाई देश में भोजन, ईंधन और दवाओं की भारी कमी हो गई है और लोग सड़कों पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए प्रदर्शन कर रहे है। सबसे छोटे राजपक्षे भाई, वित्त मंत्री तुलसी, और उनके सबसे बड़े, चमल, जिनके पास कृषि विभाग था और परिवार के खेल मंत्री नमल, सभी ने इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले दिन राजपक्षे के इस्तीफे की खबरें सामने आई थीं, जिन्हें बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने खारिज कर दिया था। पीएमओ ने इन खबरों को झूठा बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि अभी तक ऐसी कोई योजना नहीं है। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा आपातकाल की स्थिति घोषित करने के दो दिन बाद यह इस्तीफे आए हैं क्योंकि द्वीप राष्ट्र बढ़ती कीमतों, आवश्यक वस्तुओं की कमी और बिजली कटौती से जूझ रहा है। विरोध के हिंसक होते ही सरकार ने शनिवार को देशव्यापी कर्फ्यू लागू कर दिया। आवश्यक वस्तुओं की कमी और बिजली कटौती से जूझ रहा है। विरोध के हिंसक होते ही सरकार ने शनिवार को देशव्यापी कर्फ्यू लागू कर दिया। श्रीलंका के युवा और खेल मंत्री नमल राजपक्षे ने अपने इस्तीफे की घोषणा ट्विटर पर किया। कोलंबो में लोगों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए सोशल मीडिया साइटों को ब्लॉक कर दिया था। वह महिंदा राजपक्षे के पुत्र हैं। श्रीलंका सरकार ने सरकार की विफलता का विरोध करने के लिए राजधानी कोलंबो में लोगों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए सोशल मीडिया साइटों को ब्लॉक कर दिया था। हालांकि, सरकार ने 15 घंटे बाद प्रतिबंध फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, स्नैपचैट, व्हाट्सएप, वाइबर, टेलीग्राम और मैसेंजर की सेवाएं बहाल कर दी गईं।

महिला को पीएम मोदी और सीएम योगी के बारे में सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी पड़ी महंगी

नोएडा । सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो एडिट कर पोस्ट करने और अभद्र टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला का नाम रागिनी यादव और वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी में रहने वाली है। हिंदू युवा वाहिनी के गौतमबुद्धनगर जिला संयोजक की तरफ से महिला के खिलाफ ग्रेटर नोएडा की बिसरख कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद महिला को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। हिंदू युवा वाहिनी के जिला संयोजक रजत शर्मा ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी में रहने वाली रागिनी यादव नाम की एक महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। आरोप है कि उसने अपने फेसबुक पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो एडिट कर अभद्र टिप्पणी की थी। मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो एडिट कर अभद्र टिप्पणी की थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि यह कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले भी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पुलिस पीएम मोदी और सीएम पुलिस पीएम मोदी और सीएम योगी के खिलाफ सोशल मीडिया पर गलत बयानबाजी और अभद्र टिप्पणियां करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करती रही है।

यूपी में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ सीएम योगी ने बच्चों को परोसा भोजन

प्रतापगढ़ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राइमरी स्कूल के बच्चों को अपने हाथ से भोजन परोसकर खिलाया। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश भर में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। कोरोना की वजह दो साल बाद एक बार फिर इस अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलाया जाएगा। बच्चों को भोजन करवाते हुए सीएम योगी काफी खुश नज़र आ रहे थे। इस दौरान प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह भी मौजूद रहे। इसके पहले स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ के मौके पर सीएम ने कहा कि शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करने के लिए बेसिक शिक्षा को अच्छा बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से स्कूलों को गोद लेने का आह्वान किया। कहा कि हम-आप मिलकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार करेंगे। शैक्षिक सुधार में शिक्षकों के साथ जनप्रतिनिधि और नागरिक भी अपना योगदान दें। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित विधायकों से एक-एक स्कूल गोद लेने का आह्वान किया। कहा कि अपने गोद लिए स्कूल में सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले परिषदीय स्कूलों की हालत बहुत बुरी थी। यहां पढ़ने-लिखने का माहौल ठीक नहीं था। मिशन कायाकल्प का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्कूलों की तस्वीर बदली जा रही है।

यह जरूरी है कि हमारे स्कूल दिखने में भी सुंदर हों। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं की अच्छी उपस्थिति हो। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं की अच्छी उपस्थिति हो। कोशिश होनी चाहिए कि शत प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से स्कूल आएं। उन्होंने शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों से इसके लिए अभिवाकों को प्रेरित करने का आह्वान किया। कहा कि शिक्षक घर-घर जाकर अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने के लिए कहें। यदि कोई बच्चा स्कूल नहीं आ रहा है तो इसका कारण जानें।

पाकिस्तान के सियासी संकट पर कांग्रेस का पहला बयान

नई दिल्ली । पाकिस्तान में सियासी संकट बरकरार है। इमरान खान कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक मुल्क के प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे, लेकिन उन्हें कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं है। अब पूरी दुनिया की नजर पाकिस्तान पर है। इस मुद्दे पर पहली बार भारत की विपक्षी पार्टी कांग्रेस के किसी नेता का बयान सामने आया है। पाकिस्तान में चल रहे राजनीतिक संकट पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, पाकिस्तान असेंबली के स्पीकर ने वोट नहीं करने दिया। राष्ट्रपति ने असेंबली भंग कर दिया। मेरे ख्याल से पाकिस्तान में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री की गद्दी पर जो भी बैठे पर देश तो फौज़ ही चलाएगी। दरअसल, पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष और बार की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। पाकिस्तान के विपक्ष को उम्मीद थी कि संविधान के अनुच्छेद 5 के आधार पर प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने वाले नेशनल असेंबली (एनए) के स्पीकर के खिलाफ आदेश जारी किया जाएगा। लेकिन पाक राष्ट्रपति अल्वी ने प्रधानमंत्री इमरान खान की सलाह पर नेशनल असेंबली (एनए) को भंग कर दिया है। अब कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री इमरान खान और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति के लिए सुझाव मांगे हैं।

हिजाब पहनने वाली शिक्षिका की नहीं लगेगी परीक्षा ड्यूटी

नई दिल्ली । कर्नाटक में हिजाब पहनने वाली शिक्षिकाएं परीक्षा की ड्यूटी से बाहर रहेंगी। कर्नाटक सरकार ने फैसला किया है कि हिजाब पहनने वाले स्कूल और कॉलेज की शिक्षिकाओं को सेकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एसएसएलसी) के साथ-साथ प्री-यूनिवर्सिटी (पीयू) परीक्षा ड्यूटी पर नहीं रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने पुष्टि की कि सरकारी कर्मचारियों के लिए कोई ड्रेस कोड नहीं है। बीसी नागेश ने कहा कि चूंकि छात्रों के लिए परीक्षा हॉल के अंदर हिजाब की अनुमति नहीं है। नैतिक रूप से सही होने के लिए हम उन टीचर्स को मजबूर नहीं कर रहे हैं जो हिजाब पहनने पर जोर देते हैं। ऐसे शिक्षिकाओं को परीक्षा ड्यूटी से मुक्त करने का फैसला लिया गया है। कर्नाटक में एसएसएलसी परीक्षाएं चल रही हैं और अप्रैल के मध्य में समाप्त होंगी और प्री-यूनिवर्सिटी (पीयू) परीक्षाएं इस महीने के अंत में शुरू होंगी। पिछले हफ्ते मैसूर जिले में एसएसएलसी परीक्षा निरीक्षण कार्य के लिए तैयार की गई एक शिक्षिका को कथित तौर पर हिजाब पहनने पर जोर देने के बाद ड्यूटी से हटा दिया गया था। एसएसएलसी और पीयू दोनों परीक्षा ड्यूटी के लिए सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों को शामिल किया गया है।

लालू प्रसाद यादव की जमानत पर लटक गई तलवार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका को स्वीकार कर लिया है। अदालत की ओर से जल्दी ही इस मामले की सुनवाी की जाएगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर लालू यादव को नोटिस जारी कर जवाब देने के लिए कहा है। सोमवार को जस्टिस एल नागेश्वर राव और बीआर गवई की बेंच ने लालू यादव की बेल अर्जी के खिलाफ याचिका को सुनवाई के लिए मंजूर कर लिया। झारखंड सरकार की ओर से दायर अर्जी में राज्य के उच्च न्यायालय की ओर से दुमका राजकोष मामले में 17 अप्रैल, 2021 को दी जमानत को चुनौती दी गई थी। इसके अलावा चाईबासा राजकोषीय मामले में भी 9 सितंबर, 2020 को लालू यादव को बेल दी गई थी। उसके खिलाफ भी अर्जी दायर की गई है, जिस पर अदालत ने सुनवाई का फैसला लिया है। अविभाजित बिहार के कई जिलों के राजकोष से चारा घोटाले में अवैध निकासी के मामले में लालू यादव को दोषी पाया गया था। चारा घोटाले से जुड़े कुल 5 मामले हैं, जिनमें 950 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। अवैध निकासी के मामले में लालू यादव को दोषी पाया गया था। चारा घोटाले से जुड़े कुल 5 मामले हैं, जिनमें 950 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। यह मामला जनवरी,

1996 में सामने आया था, जब चाइबासा के डिप्टी कमिश्नर अमित खरे ने पशु पालन विभाग में छापेमारी की थी।

पटना हाई कोर्ट ने मार्च 1996 में इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। इसके बाद सीबीआई ने केस दर्ज मामले की जांच की थी। यही नहीं जून, 1997 में सीबीआई ने जब चार्जशीट दाखिल की तो फिर लालू प्रसाद यादव का भी नाम जोड़ा गया, जिनका नाम उससे पहले नहीं था।

केजरीवाल की नीतियों से इम्प्रेस होकर बी भास्कर राव हुए आप में शामिल

नई दिल्ली । कर्नाटक कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी और बेंगलुरु के मूल निवासी बी भास्कर राव 32 साल तक विभिन्न पदों पर पुलिस बल की सेवा करने के बाद सोमवार को यहां आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पार्टी में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर %आप% की कर्नाटक इकाई के संयोजक पृथ्वी रेड्डी, राज्य के चुनाव प्रभारी और तिमारपुर के विधायक दिलीप पांडे, संगठन सचिव दामोदरन और अन्य नेता यहां पार्टी मुख्यालय में मौजूद थे। भास्कर राव, जो अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (रेलवे) के रूप में कार्यरत थे ।

ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पिछले साल सितंबर में सेवा से इस्तीफा दे दिया था। कर्नाटक सरकार द्वारा उनका इस्तीफा स्वीकार करने और उन्हें अपने कर्तव्यों से मुक्त करने के बाद उन्होंने शुक्रवार को %आप% में शामिल होने के लिए अपना कार्यालय छोड़ दिया। आप ने 2018 में पहली बार कर्नाटक विधानसभा चुनाव लड़ा था और 124 विधानसभा सीटों में से 28 पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन तब वह अपना खाता भी नहीं खोल सकी थी। पंजाब में अपनी शानदार जीत के दम पर आप इस बार दक्षिणी राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने की उम्मीद कर रही है। अपनी सेवा के दौरान, भास्कर राव ने विभिन्न पदों पर कार्य किया और बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर, राज्य पुलिस महानिदेशक आंतरिक में विशिष्ट सेवा के लिए

सुधार के लिए दिल्ली जिमखाना क्लब की आम समिति में छह निदेशक बनाए गए

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने दिल्ली जिमखाना क्लब से जुड़े मामलों के प्रबंधन के लिए उसकी आम समिति में छह निदेशकों बनाए गए हैं। नव नियुक्त निदेशकों से क्लब की गतिविधियों के संबंध में सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कहा गया है। पिछले प्रबंधन के तहत क्लब को विभिन्न नियमों का उल्लंघन करते पाया गया था। समिति के लिए नामित किए गए निदेशकों में अजय कुमार साहनी, नलिन कोहली, कुलजीत सिंह चहल, कुमार राजेश चंद्रा, मलय कुमार सिन्हा और आशीष वर्मा शामिल हैं।

इनमें से नलिन कोहली उच्चतम न्यायालय में अधिवक्ता और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं, जबकि कुलजीत सिंह चहल भाजपा की दिल्ली ईकाई के महासचिव हैं। वहीं, आईपीएस अधिकारी राजेश चंद्रा अभी सशस्त्र सीमा बल के महानिदेशक हैं तो मलय कुमार सिन्हा पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने रविवार को जारी एक आदेश में कहा, 'नियुक्त होने वाले निदेशक प्रशासक या कंपनी के प्रभारी किसी भी व्यक्ति से एनसीएलटी के आदेश के अनुरूप तत्काल दिल्ली जिमखाना क्लब लिमिटेड का प्रभार लेंगे।'

मंत्रालय ने पिछले सप्ताह दिए आदेश के तहत नए निदेशकों को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की प्रधान पीठ के समक्ष एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश भी दिया है। आदेश में कहा गया है, 'निदेशकों को मेमोरेंडम एंड आर्टिकल्स ऑफ और सुधारात्मक उपाय करने का निर्देश दिया जाता है।'

हाई कोर्ट ने कलाकारों को आवंटित आवासों को खाली करने का समय बढ़ाने से इनकार किया

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने शास्त्रीय कलाकार रीटा गांगुली को सोमवार को और मोहलत देने से इनकार कर दिया। गांगुली ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें और अन्य कलाकारों को राष्ट्रीय राजधानी में आवंटित सरकारी बंगलों को अप्रैल माह के अंत तक खाली करने को कहा गया है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने कहा कि वह एक दिन की भी मोहलत नहीं देंगे। इसके साथ ही पीठ ने कहा कि एकल न्यायाधीश ने सरकारी आवास को खाली करने के लिए दो माह का वक्त देने में पहले ही काफी उदारता दिखायी है। अदालत ने 81 वर्षीय गांगुली के वकील को आगाह किया कि उन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इस पर वकील ने अपील को वापस लेने का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने कहा, 'वापस लिए जाने के तौर पर याचिका खारिज की जाती है।' गौरतलब है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश ने मकान खाली करने के लिए केंद्र द्वारा दिये गये नोटिस के खिलाफ कई शास्त्रीय कलाकारों की अर्जियां 25 फरवरी को खारिज कर दी थीं और उन्हें यहां सरकारी आवंटित आवास दो महीने में खाली करने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि याचिकाकर्ता कलाकारों को आवास सरकार को वापस सौंपने के लिए दो महीने की अवधि दी जाती है ताकि वे वैकल्पिक इंतजाम कर सकें और गरिमा के साथ आवासीय परिसर खाली कर दें। गांगुली ने एकल न्यायाधीश के इस आदेश को चुनौती दी थी और आवास को खाली करने के लिए कुछ और महीनों की मोहलत मांगी थी। केंद्र ने सरकारी परिसरों को खाली करने के लिए 31 दिसंबर 2020 तक की समय सीमा दी थी लेकिन याचिकाएं दायर होने के बाद उसके इस आदेश पर रोक लगा दी गयी थी। अदालत ने मोहिनीअट्टम नृत्यांगना भारती शिवाजी, कुचीपुडी नर्तक गुरु वी जयराम राव, मायाधर राउत, अदालत ने मोहिनीअट्टम नृत्यांगना भारती शिवाजी, कुचीपुडी नर्तक गुरु वी जयराम राव, मायाधर राउत, ध्रुपद गायक उस्ताद एफ वसीफुद्दीन डागर, रानी सिंघल, कथक विशेषज्ञ गीतांजलि लाल, के आर सुबाना, कमल साबरी, देवराज डाकोजी, कमलिनी, जतिन दास, पंडित भजन सोपोरी और रीता गांगुली की अर्जियों पर यह फैसला सुनाया था।

पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बढ़ती कीमतों पर रास में विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली । संसद के उच्च सदन राज्यसभा में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के मुद्दे पर सोमवार को विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा किया, जिसकी वजह से उच्च सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर भी सदन में विपक्ष का हंगामा जारी रहा। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि को ले कर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। वे महंगाई के मुद्दे पर चर्चा कराने की भी मांग कर रहे थे। पीठासीन उपसभापति सस्मित पात्रा ने सदस्यों से अपनी सीट पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल एक महत्वपूर्ण समय है और सदस्य एक बहुत ही अहम सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने सदस्यों से आसन के समीप नहीं आने की भी अपील की। पात्रा ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा कि यह उचित तरीका नहीं है और उन्हें सदन में प्रश्नकाल चलने देना चाहिए। हंगामे के बीच ही पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पूरक सवालों का जवाब देने का प्रयास किया। हालांकि सदन में हो रहे शोर के कारण उनकी बात ठीक से सुनी नहीं जा सकी। सदन में हंगामा थमते नहीं देख पात्रा ने करीब 12-05 बजे बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह बैठक शुरू होने के करीब 10 मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के तिरूची शिवा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विश्वम, तृणमूल कांग्रेस के अबीर रंजन विश्वास और कांग्रेस सदस्य के सी वेणुगोपाल ने नियम 267 के तहत पेट्रोल,डीजल व रसोई गैस की कीमतों में हुई वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा कराने के नोटिस दिए थे।

संक्षिप्त समाचार

शास्त्रीय कलाकार रीता गांगुली को और समय देने से हाई कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली । सरकारी भवन खाली करने से जुड़े एकल पीठ के निर्णय पर राहत देने की मांग वाली भारतीय शास्त्रीय कलाकार रीता गांगुली की याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। भवन खाली करने के लिए और समय देने से इन्कार करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने कहा कि अदालत एक दिन का और समय देगी। पीठ ने भारी जुर्माना लगाने की बात करते हुए कहा कि एकल न्यायाधीश ने कलाकारों को सरकारी आवास खाली करने के लिए दो महीने का समय देकर उपकार किया था। पीठ का रुख देखते हुए 81 वर्षीय गांगुली के अधिवक्ता ने याचिका अपील वापस ले ली।

छह नवनिर्वाचित सदस्यों ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली । पूर्वोत्तर राज्य असम, नगालैंड और दक्षिण के केरल से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित छह सदस्यों ने सोमवार को उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। सुबह उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही तीनों राज्यों के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण वालों में असम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पवित्र मार्गरिटा, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के रवंगवरा नारजारी, केरल से कांग्रेस की जेबी माथेर हीशम, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के ए ए रहीम शामिल थे। इनके अलावा नगालैंड से भाजपा की एस फान्गनॉन कोन्यक ने भी उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ग्रहण की। नगालैंड से राज्यसभा पहुंचने वाली कोन्यक पहली महिला हैं। वह निर्विरोध चुनी गईं। असम में दो सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को जीत हासिल हुई थी जबकि केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) ने तीन में से दो सीटें जीती और कांग्रेस को शेष एक सीट मिली।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने लोकसभा को बताया-केंद्रीय विवि में पांच वर्ष में 24 छात्रों के आत्महत्या की

नई दिल्ली । केंद्र सरकार शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में बोलते हुए बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को उसके तहत आने वाले केंद्रीय विश्वविद्यालयों से पिछले पांच वर्ष के दौरान छात्रों की आत्महत्या के 24 मामलों की जानकारी मिली है। लोकसभा में दानिश अली के प्रश्न के लिखित उत्तर में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने यह जानकारी दी। अली ने पिछले पांच वर्षों में छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं तथा उत्तर प्रदेश के तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में ऐसे मामलों के बारे में जानकारी मांगी थी। प्रधान ने बताया, 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सूचित किया है कि उसके दायरे में आने वाले केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने वर्ष 2017 से 2022 तक छात्रों की आत्महत्या के 24 मामलों की जानकारी दी है।' उन्होंने बताया कि छात्रों द्वारा आत्महत्या करने के कारणों का रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यूजीसी ने आगे सूचित किया है कि तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा नवंबर 2018 और अक्तूबर 2021 में छात्र आत्महत्या के दो मामलों के बारे में सूचना दी गई है। उक्त विश्वविद्यालय राज्य के निजी विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और यूजीसी ने छात्रों के उत्पीड़न और भेदभाव की घटनाओं को रोकने के लिए अनेक पहल की हैं। प्रधान ने कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा के लिये 'यूजीसी (छात्रों की शिकायत निवारण) विनियम 2019' तैयार किये गए हैं। यूजीसी ने उच्च संस्थानों में रैगिंग की आशंका को रोकने के लिये यूजीसी विनियम 2009 भी अधिसूचित किए हैं और इसके कठोर अनुपालन के लिये परिपत्र जारी किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि इसके अतिरिक्त मंत्रालय ने शैक्षणिक तनाव को कम करने हेतु छात्रों के लिये सहायक पठन-पाठन, क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा की शुरूआत जैसे कदम उठाए हैं। इसके साथ छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहयोग प्रदान करने के लिये मनोदर्पण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

छात्रों के फ्लैश मॉब में शामिल हो गईं केरल की डीएम, ढोल-नगाड़े पर जमकर किया डांस

केरल । सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो बेहद वायरल हो रहा है, जिसमें एक डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर छात्रों के एक फ्लैश मॉब में डांस करते हुए दिखाई दे रही हैं. यूजर्स इस वीडियो को बेहद पसंद कर रहे हैं. अजिन पथनमथिट्टा नाम के एक फेसबुक यूजर ने इस वीडियो को अपने अकाउंट पर साझा किया है. वीडियो में केरल में पथानामथिट्टा की जिला कलेक्टर दिव्या एस अय्यर छात्रों के साथ रणवीर सिंह दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला के गाने पर डांस कर रही हैं. वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'पथनमथिट्टा की जिला कलेक्टर दिव्या एस अय्यर आईएएस महात्मा गांधी विश्वविद्यालय कला महोत्सव के मौके पर जिला स्टेडियम में कॉलेज के छात्रों द्वारा आयोजित फ्लैश मॉब में डांस करते हुए. यह वीडियो 31 मार्च को अपलोड किया गया था. महोत्सव के मौके पर जिला स्टेडियम में कॉलेज के छात्रों द्वारा आयोजित फ्लैश मॉब में डांस करते हुए. यह वीडियो 31 मार्च को अपलोड किया गया था. इसे अबतक हजारों लोग देख चुके हैं. यूजर्स एक डीएम की जमकर तारीफ कर रहे हैं. स्थानीय समाचार रिपोर्ट्स के अनुसार, दिव्या एस अय्यर, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'दीपकझ्चा' का उद्घाटन करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थीं. छात्रों के बार-बार अनुरोध करने पर वह डांस में शामिल हुईं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस की एक नई पहल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बढ़ते अपराध समाज के लिए चिंता का विषय बन गए हैं। अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस द्वारा एक दिल को छू लेने वाला वीडियो जारी किया गया है जिसमें अपराध करने के बाद आरोपी की सजा और क्षण भर के गुस्से में की गई गलती के कारण उसके परिवार और बच्चों की पीड़ा को दिखाया गया है. वीडियो, जिसे अपराध पर अंकुश लगाने के लिए एक नई पहल माना जा सकता है, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा जारी किया गया था।

परिवार के बाहर और अंदर बंदियों को भुगतना पड़ता है, अपराध एक समस्या है। अपराध करने के कई कारण होते हैं। कुछ अपराध मामूली होते हैं। अपराध करने के बाद आरोपी का जीवन नारकीय हो जाता है। कैदियों को पारिवारिक हुक के बिना वर्षों जेल में बिताने पड़ते हैं। अपराध करने वाले को दंडित किया जाता है और उसके परिवार को भी दंडित किया जाता है। जो जेल में बंद कैदियों की संख्या से भी ज्यादा है. केवल एक व्यक्ति को जेल की सजा सुनाई जाती है। बाहर सजा पाने की बारी उसके परिवार के सभी सदस्यों की है। अपराध करने के बाद, सम्मान छीन लिया जाता है जो आरोपी परिवार के लिए आय का एकमात्र स्त्रोत है। परिवार को अपराधी के परिवार के रूप में लेबल किया जाता है। जिससे सामाजिक पीड़ितों को भी नुकसान उठाना पड़ता है। कैदियों ने कहा कि अपराध करने के बाद कैदियों से उनका सम्मान छीन लिया जाता है। बच्चों की शादी से लेकर परिवार के अन्य सदस्यों को कई तरह की दिक्कतें आती हैं। समस्याओं का वर्णन करने वाले वीडियो का वर्णन जेल में कैदियों द्वारा किया गया था। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए रेंज आईजी और सूरत डीएसपी द्वारा बनाया गया नया प्रायोगिक वीडियो गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा जारी किया गया। हर्ष सांघवी ने वीडियो जारी कर लोगों से अपराध करना बंद करने की अपील की है.

पल भर में किए गए अपराध के बाद परिवार की स्थिति को बताया

मालधारी ने कानून के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन शुरूकरने की धमकी दी है

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्य सरकार ने हाल ही में आवारा पशुओं पर एक नया कानून बनाया है। पूरे गुजरात में विरोध हो रहा है. इसका विशेष रूप से मालधारी समुदाय द्वारा विरोध किया जा रहा है। इस काले कानून को खत्म करने की मांग शुरू हो गई है। यदि इस कानून को मालधारी समुदाय द्वारा शीघ्र वापस नहीं लिया गया तो गांधीनगर तक आंदोलन का खतरा है।

गौचर का घटता हुआ सवाल

आवारा पशुओं को लेकर स्थानीय अधिकारियों और पशुपालकों के बीच तनातनी का एक निरंतर स्त्रोत है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां मवेशी सड़कों पर चलने के कारण लोगों की जान चली गई है. लेकिन अहम बात यह है कि गौचर की जमीन नहीं रही। इलाका शहर के बाहर था। अब इसे शहर में शामिल किया जा रहा है। इस वजह से शहर में मवेशियों के घूमने का नजारा देखने को मिल रहा है. रबारी समुदाय और मालधारी समुदाय द्वारा सरकार के इस फैसले का पूरे राज्य में विरोध हो रहा है.कानून को निरस्त करने की मांग करते हुए किरण राइका ने कहा, ''हम लगातार आवारा पशुओं के संबंध में अभ्यावेदन दे रहे हैं।'' पूर्व में भी ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। सरकार जिस तरह का फैसला ले रही है। उसे देखकर लगता है कि मालधारी समाज पशुपालन का धंधा है। खत्म करना चाहता है। आज गुजरात में कई परिवार ऐसे हैं जो सिर्फ जानवरों को पाल कर अपना गुजरात चला रहे हैं। अगर सरकार इस वजह से ऐसा फैसला लेती है तो इसका बुरा असर अमीर परिवारों पर पड़ेगा। आर्थिक बोझ तले यह समाज प्रताड़ित होगा। हमने सरकार से आग्रह किया है कि यह एक काला कानून है। अगर इसे वापस नहीं लिया गया तो आप आने वाले दिनों में आंदोलन के रूप में राज्यव्यापी कार्यक्रम देंगे.

गुजरात विधानसभा से पहले कांग्रेस के दो दिग्गज नेता भगवा धारण कर सकते हैं

क्रांति समय,सूरत

गुजरात विधानसभा चुनाव का अभी ऐलान नहीं हुआ, परंतु चुनावी तैयारियां जरूर तेज हो गई हैं। भाजपा 150 सीटों के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरना चाहती है और उसके लिए कांग्रेस गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश कर रही है। इसमें भाजप को सफलता मिली है। बनासकांठा जिले के वडगाम से विधायक रहे मणिलाल वाघेला को अपने पाले में भाजपा का सफलता मिलती दिख रही है। बता दें कि वडगाम से वर्तमान में जिग्नेश मेवाणी निर्दलीय विधायक हैं। वर्ष 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने वडगाम से निर्दलीय उम्मीदवार जिग्नेश मेवाणी के समर्थन में मणिलाल वाघेला को टिकट नहीं दिया था। 35 सालों से कांग्रेस जुड़े मणिलाल वाघेला शायद तभी से नाराज थे। नवंबर 2021 में मणिलाल वाघेला ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हाल ही में मणिलाल वाघेला ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात की थी और उसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई थी। खबर है कि आगामी दिनों में वडगाम में शक्तिप्रदर्शन कर मणिलाल वाघेला भाजपा का भगवा धारण कर सकते हैं। दूसरी ओर उत्तरी गुजरात के दूसरे कांग्रेस विधायक अश्विन कोटवाल के भी भाजपा जॉइन करने की संभावना है। गुजरात भाजपा से तारीख मिलने के बाद अश्विन कोटवाल खेडब्रह्मा में शक्ति प्रदर्शन कर अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल होंगे।

'स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना' के अंतर्गत 64 करोड़ रुपए के कार्यों को सैद्धांतिक मंज़ूरी

क्रांति समय,सूरत

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत महानगर पालिका को स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आउट ग्रोथ क्षेत्रों के कार्यों को देखते हुए शहरी गतिशीलता घटक में 64 करोड़ रुपए की लागत से नया रेलवे ओवरब्रिज बनाने के कार्य को सैद्धांतिक मंज़ूरी दी है। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई इस सैद्धांतिक मंज़ूरी के परिणामस्वरूप सूरत-ओलपाड रोड पर स्थित पुराने सरोली टोल नाके के निकट वर्तमान रेलवे ओवरब्रिज के स्थान पर नया 6 लेन ओवरब्रिज बनाने का कार्य शीघ्र ही शुरूकिया जाएगा। सूरत महानगर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के चलते ट्रैफ़िक में वृद्धि हो रही है। इतना ही नहीं, हज़ीरा स्थित उद्योगों के टैंकरों सहित भारी वाहनों के किम-ओलपाड की ओर आने से सूरत-ओलपाड को जोड़ने वाले वर्तमान टू लेन ब्रिज पर दिन-प्रतिदिन ट्रैफ़िक बोझ बढ़ता जा रहा है। इस समस्या का सुचारु निवारण लाने के लिए वर्तमान टू लेन ब्रिज का विस्तार करना अथवा इसके स्थान पर अधिक क्षमता वाले नए ब्रिज का निर्माण करना बहुत ही आवश्यक हो गया है। इसके चलते सूरत-ओलपाड रोड पर स्थित पुराने सरोली टोल नाके के निकट ६ लेन का नया ओवरब्रिज बनाने के लिए गुजरात म्युनिसिपल फ़ाइनेंस बोर्ड द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक मंज़ूरी दी है।

सूरत के ओलपाड रोड पर पुराने सरोली टोल नाके के निकट बनेगा नया ६ लेन रेलवे ओवरब्रिज

मां ने बेटे और नवजात बेटी संग की कुएं में कूदकर की खुदखुशी

क्रांति समय,सूरत

पोरबंदर,गुजरात के पोरबंद जिले में देवड़ा गांव में एक महिला ने अपने बेटे और नवजात बेटी के साथ कुएं में कूदकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने सोमवार को बताया कि लीलूबेन मोरी (27) ने शायद घरेलू कलह के चलते शनिवार रात को यह कदम उठाया है।

कुटियाना पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि महिला, उसके दो वर्षीय बेटे और 45 दिन की बेटी के शवों को कुएं से निकाला गया। उन्होंने बताया, ''पुलिस को रविवार को मामले की जानकारी दी गयी, जिसके बाद दमकलकर्मियों का एक दल शवों को निकालने के लिए पहुंचा। प्रथम दृष्टया घरेलू कलह इस घटना के पीछे का कारण प्रतीत होता है। जांच जारी है।

प्रथम दृष्टया घरेलू कलह इस घटना के पीछे का कारण प्रतीत होता है